राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

वर्ष : 05 अंक 10
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/- रु.
UPHIN/2014/67765

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

लखनऊ,
मंगलवार , 14 अगस्त 2018

www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

84 दिन में दीक्षांत समारोह करायें : महामहिम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति राज्य विश्वविद्यालय राम नाईक ने सत्र 2018–19 में होने वाले दीक्षांत समारोह की प्रस्तावित तिथियां घोषित कर दी हैं।

दीक्षांत समारोह कैलेंडर के अनुसार, सभी विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह 84 दिवसों में सम्पन्न होकर छात्र–छात्राओं को उपाधियां वितरित हो जाएंगी।

राज्यपाल सभी विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में स्वयं भी उपस्थित रहेंगे तथा दीक्षांत समारोह पारंपरिक भारतीय वेशभूषा में सम्पन्न होंगे। इस वर्ष प्रथम दीक्षांत समारोह 24 अगस्त को मदन मोहन मालवीय

प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (गोरखपुर) का होना है तथा 15 नवंबर, 2018 को अंतिम दीक्षांत समारोह इलाहाबाद विश्वविद्यालय का संपन्न होना है।

गौरतलब है कि गत वर्ष प्रथम दीक्षांत समारोह 9 सितंबर 2017 को ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फारसी विश्वविद्यालय लखनऊ का आयोजित हुआ था तथा 19 मई 2018 को अंतिम दीक्षांत समारोह डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय (लखनऊ) का संपन्न हुआ था। गतवर्ष कुल 253 दिवसों में सभी विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह हो सके थे।

नाईक (शेष पृ. 7 पर). . .

एक साथ चुनाव से तेज होगी विकास की गति : अमित शाह

नई दिल्ली। देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की पुरजोर वकालत करते हुए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने कहा कि इससे देश भर में चुनावी खर्च पर अंकुश लगने के साथ ही विकास की रफ्तार तेज होगी और देश का संघीय ढांचा मजबूत होगा। श्री शाह ने आज विधि आयोग को एक विस्तृत पत्र लिख कर यह आग्रह किया। भाजपा नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति बलबीर चौहान को उक्त पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि देश में कहीं न कहीं चुनाव होते ही रहते हैं जिसके कारण केंद्र और राज्य सरकारों के (शेष पृ. 7 पर). . .

शिया वक्फ बोर्ड का आदेश, स्वतंत्रता दिवस पर 'भारत माता की जय' बोलना अनिवार्य होगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड ने वक्फ की संपत्तियों पर 15 अगस्त को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोहों के दौरान 'भारत माता की जय' का नारा लगाना अनिवार्य घोषित किया है। उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष वसीम

रिजवी ने मदरसों को दिये आदेश के हवाले से कहा कि शिया वक्फ बोर्ड के तहत चल रहे सभी मदरसों से कहा गया है कि वे स्वतंत्रता दिवस मनायें।

उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष वसीम रिजवी ने कहा कि समुदाय में ऐसे बहुत से धर्मगुरु हैं जो अशिक्षा का फायदा उठाकर बच्चों को देश का अपमान करना सिखाते हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं करने वाले। स्वतन्त्रता दिवस का दिन हम सभी के लिए गर्व का दिन है और हम चाहते हैं कि इसे सारे शैक्षणिक संस्थानों में मनाया जाए।

उन्होंने आगे कहा कि हमने केन्द्रीय शिया वक्फ बोर्ड के अन्तर्गत आने वाले अभी मदरसा, (शेष पृ. 7 पर). .

संक्षिप्त समाचार

चांद को लेकर मतभेद दो दिन होगी बकरीद

लखनऊ। इस बार यूपी में बकरीद का त्योहार दो दिन मनाया जाएगा। दरअसल जिल्हिज्ज के चांद को लेकर सुन्नी व शिया समुदाय के दो बड़े उलमा आमने–सामने आ गये हैं।मरकजी चांद कमेटी के अध्यक्ष, ईदगाह के इमाम व शहरकाजी मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली और शिया मून कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने घोषणा की है कि रविवार को जिल्हिज्ज का चांद दिख गया है। इस उलमा के मुताबिक चांद की पहली तारीख 13 अगस्त को होगी और बकरीद का त्योहार 22 अगस्त को मनाया जाएगा। जबकि इदारा–ए–शरय्या फिरंगी महल की मरकजी रुईयत–ए–हिलाल कमेटी के सद्र काजी शहर मुफ्ती अबुल इरफान मियां फिरंगी महली ने ऐलान किया कि रविवार को आसमान पर घने बादल होने की वजह से जिल्हिज्ज का चांद निकलने की तस्दीक नहीं हुई है। लिहाजा 1 जिल्हिज्ज 14 अगस्त को और बकरा ईद 23 अगस्त को होगी।

मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी शहीद, दो आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के बटमालू में रविवार सुबह आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया जबकि पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है।अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक (सुरक्षा और कानून एवं व्यवस्था) मुनीर खान ने कहा, इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने तड़के बटमालू के दियारवानी में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि आतंकवादी जिस घर में छुपे थे, उसे घेर लिया गया, लेकिन आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाईं जिसके बाद उन्होंने भी जवाबी कार्रवाई की और अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। एडीजीपी ने कहा, ''पांच आतंकवादियों का एक समूह वहां था।

डॉक्टर ने युवती को नशीली दवा खिलाकर किया दुष्कर्म

लखनऊ। बाराबंकी जिले में एक डॉक्टर युवती को क्लिनिक पर बुलाकर बेहोशी की दवा देने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया।

जानकारी के अनुसार शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली एक युवती ने एएसपी दिगंबर कुशवाहा को शनिवार को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि करीब एक साल पहले उसके पड़ोस में ही निजी क्लिनिक चलाने वाले बीडीएस डॉक्टर दुर्गेश कुमार के पास वह इलाज कराने गई थी।

देश से शीघ्र बाहर जाएंगे सभी घुसपैठिए : अमित शाह

मेरठ। एसएनबीभाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने रविवार को यहां पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के समापन सत्र में यूपी में लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया। श्री शाह ने पदाधिकारियों में चुनाव मोड में आने का जोश भरा और कार्यकर्ताओं से 51 फीसदी वोट पाने की माइक्रोप्लानिंग पर काम करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा जातिवादी और तुष्टिकरण की राजनीति नहीं करती है। विकास की राजनीति में भाजपा का विश्वास है। साथ ही उन्होंने एनआरसी

के मुद्दे पर विपक्षी दलों के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा को देश में शरणार्थी मंजूर हैं, घुसपैठिए नहीं। इन्हें देश के बाहर किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जरूरी हुआ तो यूपी में भी एनआरसी लागू की जाएगी।भाजपा अध्यक्ष के उद्बोधन की प्रेस ब्रीफिंग में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव भूपेन्द्र यादव और प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्रनाथ पांडेय ने बताया कि समापन सत्र में अमित शाह ने कहा कि हम सिर्फ सरकार नहीं चलाते, हम भारत का गौरव बढ़ाने के लिए काम करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र विकास के पथ पर अग्रसर है। देश में सुरक्षा का माहौल बना है। विपक्षी दलों को आड़े (शेष पृ. 7 पर). . .

31 को उत्तराखंड में सियासी जमीन तलाशेंगे अखिलेश यादव

2019 के लोकसभा चुनावों की समाजवादी पार्टी ने पूरी तरह से तैयारी शुरू कर दी है। इस बार के चुनावों में समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश से बाहर निकल कर भाजपा को घेरने की तैयारी कर रही है। इसकी शुरुआत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश दौरे पर जाने के साथ हो चुकी है। अब इसके बाद सपा की नजर राजस्थान और उत्तराखंड पर टिक गयी है। लोकसभा चुनावों के पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष दल को राष्ट्रीय दर्जा दिलाना चाहते हैं। यही कारण है

कि वे अन्य राज्यों में पार्टी संगठन का विस्तार करने में लगे हुए हैं।

महीने के आखिर में उत्तराखंड जायेंगे अखिलेश यादव रू

मध्य प्रदेश और राजस्थान के साथ ही समाजवादी पार्टी की नजर उत्तराखंड पर भी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पार्टी को राष्ट्रीय का दर्जा दिलाना चाहते हैं। इसके लिये सभी राज्यों में चुनाव लड़कर वह अपनी उपस्थिति इन राज्यों में दर्ज कराना चाहते हैं। सपा इस महीने (शेष पृ. 7 पर). . .

गोहत्या रोक कानून बनाएं मोदी : बाबा रामदेव

जयपुर। योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा है कि गौ तस्करी रोकने में पुलिस और प्रशासन को जितनी सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए, वह नहीं होने के कारण गौरक्षकों को सड़कों पर आना पड़ता है। रविवार को एक कार्यक्रम में भाग लेने यहां आये रामदेव ने संवाददाताओं से कहा, ''अवैध तरीके से जो लोग गायों को कत्लखानों में कटवाते है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि कुछ गौ रक्षक ज्यादती कर देते हैं जिनके चलते 90 प्रतिशत गौरक्षकों की छवि धूमिल होती है।

बाबा रामदेव ने कहा कि गौ हत्यारों के खिलाफ कोई नहीं बोलता है। गौ हत्यारों को

प्रोत्साहन क्यों मिलता है, यह कतई नहीं होना चाहिए। यदि किसी ने कत्लखाने का लाइसेंस भी ले रखा है, और उनका परिवहन कर रहा है तो हम इसके पक्षधर नहीं हैं।

पूर्ण गौ हत्या रोकने की पैरवी करते हुए बाबा रामदेव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसे राष्ट्रभक्त और गौ भक्त देश में और कौन होगा। उन्हें केन्द्र में पूर्ण गौहत्या रोकने का कानून बनाना चाहिए। हालांकि उन्होंने कहा कि चार सालों में केन्द्र ने अभी तक कानून नहीं बनाया है और हम ऐसा कानून बनने की उम्मीद लगाये बैठे हैं।

उन्होंने देश में घुसपैठियों के एक अन्य प्रश्न के जवाब में कहा कि एक भी आदमी अवैध तरीके से भारत में नहीं रहना चाहिए चाहे वह बांग्लादेशी, पाकिस्तानी या फिर अमेरिका का (शेष पृ. 7 पर). . .

देवरिया बालिका कांड में SIT ने सौंपी प्रारंभिक रिपोर्ट

लखनऊ। देवरिया जिले के बालगृह बालिका कांड की जांच

के लिए गठित एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट रविवार को शासन को सौंप दी है। रिपोर्ट में मान्यता स्थगित होने के लेकर छापामारी तक की पुलिस–प्रशासन की ओर से की गई (शेष पृ. 7 पर). . .

बसपा विधायक से दाऊद ने मांगी की रंगदारी

उत्तर प्रदेश के बलिया जिला की रसड़ा विधानसभा सीट से बसपा विधायक उमाशंकर सिंह को एक करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं, उन्हें ई–मेल और फोन के जरिए धमकी भी दी गई है। रंगदारी मांगने वाले शख्स ने खुद को अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम बताया है। जानकारी के मुताबिक, जिस ई–मेल से उन्हें मैसेज किया गया उस पर दाऊद की तस्वीर भी लगी हुई थी। विधायक उमा शंकर सिंह ने गोमती नगर थाने

में एफआईआर दर्ज कर दी है।

विधायक को मिली जान से मारने की धमकी

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, विधायक ने गोमतीनगर थाने में दी अपनी तहरीर में लिखा है कि बीते छह अगस्त को उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया। इस मैसेज में उनसे एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। उन्होंने पहले मैसेज चेक करने को कहा गया था।

हालांकि, विधायक उमा शंकर सिंह ने इस मैसेज पर ज्यादा संजीदगी नहीं दिखाई। लेकिन आठ अगस्त को फिर दोबारा उन्हें मैसेज आया। (शेष पृ. 7 पर). . .

आरपीएफ में महिलाओं को मिलेगा 50 % आरक्षण

पटना। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को घोषणा की कि आरपीएफ के जवानों की होने वाली भर्ती में 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रखी जाएंगी। उन्होंने कहा, ''अब जब हम आरपीएफ के करीब दस हजार जवानों की भर्ती का काम शुरू करेंगे, उसमें से 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित रखेंगे।' गोयल ने कहा,''हम देश के सभी स्टेशनों (लगभग 6000) और प्रमुख ट्रेनों में सीसीटीवी

लगाने का काम भी शुरू करने वाले हैं, ताकि यात्रियों को सुरक्षा और सुविधा मिले।'उन्होंने कहा कि डालमिया नगर में 600 करोड़ रुपए की लागत से एक पीओएच वर्कशॉप बनाने का काम हम करने जा रहे हैं और पटना के चारों ओर जो मेमू ट्रेन चलती है, उसके लिये 100 करोड़ रुपए की लागत से एक मेमू शेड भी शीघ्र बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार के हर स्टेशन को आदर्श स्टेशन बनाने की जो योजना शुरू हुई है उसमें स्टेशन (शेष पृ. 7 पर). . .

यूपी में कांग्रेस को महागठबंधन से अलग किया तो भाजपा को फायदा : सलमान खुर्शीद

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा है कि 2019 के चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश में गठबंधन में कांग्रेस को शामिल नहीं करने से भारतीय जनता पार्टी को फायदा होगा।

का उसे महागठबंधन में शामिल न करना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह का कोई भी कदम भविष्य के लिहाज से 'अदूरदर्शी' साबित होगा और इससे भाजपा को फायदा होगा।

उन्होंने आगाह किया कि कांग्रेस को राज्य में 'बौना' दिखाने के लिए सपा और बसपा

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने विपक्ष के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के मुद्दे में (शेष पृ. 7 पर). . .

यूपीनीट काउंसलिंग में समय से पहले ही वेबसाइट लॉक

लखनऊ। मेडिकल के छात्रों ने आरोप लगाया है कि समय से 24 घंटे पहले वेबसाईट बंद हो गई 12 तारीख के बजाय 11 को ही बैक डेट में दिख रहा है सबमिट करने की तारीख। ऐसा कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिये किया गया है। ऑल इंडिया कोटा सिमट कर रह गया स्टेट कोटे तक ऑल इंडिया कोटे का फायदा यूपी स्टेट के छात्रों को नहीं मिल पाएगा जिसकी टीस छात्रों में कहीं न कहीं देखने को मिल रही है। मेडिकल के छात्रों ने अधिकारियों पर लगाया आरोप

पैसे लेकर सीटों को लॉक करने का सिस्टम जिसकी वजह से एक बड़े घोटाले का अंदेशा है छात्रों

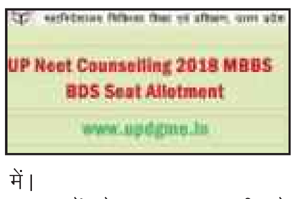

में।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यूपीनीट2018 स्टेट काउंसलिंग में यूपी डीजी एई ने अपना खेल कर दिया हजारों बच्चे को (शेष पृ. 7 पर). . .

अंधेरे में भी दुश्मनों से लोहा लेंगी 'कमांडो मैडम'

नई दिल्ली। भारत में पहली बार पुलिस फोर्स में सिर्फ महिला स्वाट (ै) टीम को शामिल किया गया है। देश की सुरक्षा के लिए अब महिलाएं दुश्मनों से लोहा लेंगी। गृहमंत्री राजनाथ सिंह इस महिला कमांडो टीम को दिल्ली की सुरक्षा में तैनात करेंगे। 2008 में हुए मुंबई हमले के बाद भारत में स्वाट टीम की जरूरत महसूस पड़ रही थी। महिला स्वाट टीम की खास बात यह है कि टीम में शामिल 36 महिला कॉन्स्टेबल नॉर्थ ईस्ट से हैं। महिला कमांडो की टीम को सेंट्रल और साउथ दिल्ली की लोकेशन पर तैनात किया जाएगा।

देश की पहली महिला स्वाट टीम को बनाने का आइडिया दिल्ली के पुलिस कमीश्नर अमूल्य पटनायक के दिमाग की ऊपज है। पटनायक ने कहा कि टैरर स्ट्राइक और हॉस्टेज क्राइसिस, ऐसी किसी भी स्थिति

से निपटने के मामले में यह टीम किसी पर भी भारी पड़ सकती है। इस टीम को बनाने को बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। कई बड़े देशों में भी ऐसी महिला स्वाट टीम नहीं है।

15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब लालकिले के प्राचीर से देश की जनता को संबोधित कर रहे होंगे तो इस महिला स्वाट टीम पर ही उनकी सुरक्षा का जिम्मा होगा। इस टीम की ज्यादातर सदस्य असम से हैं। 13 महिला कॉन्स्टेबल असम की रहने वाली हैं, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और मणिपुर से 5–5 सदस्य हैं। मेघालय से चार, नगालैंड से 2, और मिजोरम और त्रिपुरा से 1–1 सदस्य है। इन्हें इजरायली कर्व मागा की ट्रेनिंग दी गई है, हथियार रहित होने पर लड़ाई का एक तरीका है। साथ ही एमपी5 सबमशीन गन और जीलॉक 21 पिस्टल की एक्सपर्ट ट्रेनिंग भी दी गई है। इन महिला कमांडो को सेंट्रल और साउथ दिल्ली की रणनीतिक (शेष पृ. 2 पर). . .

मोदी नीति नाले में पाइप लगाओ और पकौड़े बनाओ : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर तंज कसा है जिसमें उन्होंने नाले से निकलने वाली गैस से चाय बनाने वाले एक शख्स का किस्सा सुनाया था। राहुल गांधी ने कहा कि यह पीएम मोदी की रोजगार रणनीति है कि नाले में पाइप लगाओ और पकौड़े बनाओ।

उन्होंने रोजगार के मुद्दे को उठाते हुए पीएम मोदी पर निशाना साधा और कहा कि मोदी

जी की नाले से निकली गैस से युवाओं को रोजगार देने की रणनीति है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कर्नाटक के बीदर में रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'ये नरेंद्र मोदी जी की देश के लिए रोजगार की रणनीति है। नाले में पाइप लगाओ और पकौड़े बनाओ।

पीएम मोदी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा करने वाले अब कह रहे हैं कि आप पकौड़े बनाओ, हम गैस नहीं देंगे।

प्रमुख गृह सचिव ने किया सिपाही सचिन कौशिक का सम्मान

उत्तर प्रदेश राजकीय रेलवे पुलिस की ओर से राजधानी लखनऊ में स्थित यूपी–100 मुख्यालय में एक सेमिनार 'नन्हें मुसाफिर' का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में प्रमुख गृह सचिव अरविन्द कुमार ने सराहनीय काम करने वाले सिपाही सचिन कौशिक को सम्मानित किया। इस दौरान रेलवे बोर्ड के चेयरमेन अश्विन लोहानी, सूबे के पुलिस मुखिया ओपी सिंह, एडीजी रेलवे बीके मौर्या भी मौजूद रहे।

बच्चों की सुरक्षा के लिए इस सेमिनार का आयोजन किया गया।

वहीं इस संबंध में सचिन कौशिक ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि 'अभी सिर्फ आगाज

सोशल मीडिया के जरिए आगरा के पर्यटन थाने में तैनात सिपाही सचिन कौशिक समाज में पुलिस छवि को सुधारने के लिए लगातार प्रयास में जुटे रहते हैं। बता दें कि जीआरपी की ओर से यात्रा के दौरान और प्लेटफार्म पर

है, बेटा तुझे रुकना नहीं है, चलते रहना है।पिताजी आपके ये शब्द बार–बार मेरे कानों में गूँजते हैं। तुम अपना कर्म ईमानदारी से करते जाओ, ईश्वर सब कुछ देखता है। आपकी ईश्वर के प्रति आस्था और आपके आशीर्वाद की बदौलत आज यहाँ तक पहुँचने में सक्षम हुआ हूँ..!

मेरी आँखें उस वक्त नम हो गयी जब मुझे सम्मान हेतु स्टेज पर पुकारा गया। रोकने की कोशिश की लेकिन फिर भी नहीं रोक पाया। अब ये सम्मान आप दोनों के पवित्र चरणों में अर्पित करता हूँ,जानता हूँ ऐसे कितने भी सम्मान लेकर अर्पित करूँ तब भी मैं क़र्ज नहीं चुका पाऊँगा।

मैने कभी सोचा भी नहीं था कि मुझे कभी माननीय प्रमुख सचिव गृह उत्तर प्रदेश शासन, रेलवे बोर्ड के चेयरमेन श्री अश्विन लोहानी, पुलिस के मुखिया माननीय ओपी सिंह, एडीजी रेलवे श्री बीके मौर्या सर के हाथों सम्मान मिलेगा। मैं श्री मौर्या सर का आभारी हूँ, जिन्होंने (शेष पृ. 7 पर). . .

छात्रा से छेड़छाड़, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज में स्थित ब्डै पब्लिक स्कूल में छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। मामले की जांच के लिए एसपी टीजी हरेंद्र कुमार खुद मौके पर पहुंचे हैं।

जानकारी के मुताबिक, आठवीं के छात्र ने कक्षा 3 की छात्रा के साथ छेड़छाड़ की है। स्कूल के सीसीटीवी कैमरे में बाथरूम में जाते हुए छात्र दृ छात्रा दिखाई दिए। हालांकि 55 सेकेंड बाद ही दोनों बाथरूम से निकलते हुए सीसीटीवी में दिख रहे हैं। पुलिस के मुताबिक चौलेंज गेम खेल रहे थे छात्र–छात्रा। बहरहाल, लखनऊ पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है।

लखनऊ पुलिस ने किया चोरों के गिरोह का पर्दाफाश

राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज पुलिस ने ऐसे चोरो के गिरोह का पर्दाफाश किया है जो पिछले कई दिनों से हाईटेक तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। पकड़े गए चार चोरों के पास से 8,89,000 रुपये, स्विफ्ट डीजायर कार, तमंचा सहित चोरी का माल बरामद हुआ है।

आरोपी पहले बहुत ही शातिराना अंदाज में घरों की रेकी करते थे उसके बाद वह रेकी किये गए घरो पर अपना हाथ साफ कर जाया करते थे। मीडिया को जानकारी देते हुए एसएसपी कलानिधी नैथानी ने बताया कि यह पुलिस का सराहनीय कार्य है। जिसमें ठाकुरगंज पुलिस ने हाई टेक तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले 4 शातिर चोरो को पकड़ा है।

उन्होंने बताया कि चोरो के पास से 8,89,000 रुपये, एक स्विफ्ट डीजायर कार, तमंचा बरामद हुआ है जिसका इस्तेमाल ये लोग चोरी की घटना को अंजाम देने में करते थे। साथ ही बताया कि स्विफ्ट गाड़ी गौतम शुक्ला नाम के यवक की थी, जिसको अभी गिरफ्तार नहीं किया जा सका है और उसकी धरपकड़ जारी है। जल्द ही उसकी गिरफ्तारी की जाएगी।

शहीदे आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण

आल इण्डिया स्टूडेण्ट फेडरेशन का स्थापना दिवस मनाया गया

फैजाबाद। आल इण्डिया स्टूडेण्ट फेडरेशन का स्थापना दिवस जोर शोर से मनाया गया फेडरेशन के अध्यक्ष देवेश ध्यानी मंत्री विनीत कुमार कनौजिया की अगुवाई मे बड़ी संख्या मे छात्रो ने शहीदे आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभा किया ।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओ ने कहा कि आल इन्डिया स्टूडेंट फेडरेशन देश के स्वतंत्रता संग्राम मे शहादत देने वालो की शानदार विरासत का गवाह है ।इस संगठन ने कुर्बानी देने वालो की फौज देश को दिया है ।

छात्र नेताओ ने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन इस संगठन को कमजोर करने के

लिए इसके कार्यक्रमो पर लगातार प्रतिबंध लगाता है ।

कम मेरिट वालों को दे दी नौकरी, अब देना होगा जवाब

सिपाही भर्ती 2015 एक बार फिर से सवालों के घेरे में आ गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सिपाही भर्ती 2015 में सामान्य श्रेणी की मेरिट से ज्यादा नंबर पाने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग व अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के नाम चयन सूची से गायब होने को लेकर दाखिल याचिका पर राज्य सरकार और पुलिस भर्ती बोर्ड से जवाब मांगा है।

ये था मामला

जानकारी के मुताबिक, अधिवक्ता सुनील यादव के अनुसार अरुण पटेल व नागेंद्र कुमार की याचिका में कहा गया है कि याचियों ने अपने वर्ग में आवेदन किया था। घोषित परिणाम में उनके अंक सामान्य वर्ग की मेरिट से ज्यादा बताए गए। सामान्य वर्ग का कटऑफ 406.7 है और याचियों के 423. 7, 420.57 हैं।

इसके बावजूद उनका नाम चयन सूची में शामिल नहीं किया गया जबकि उन्हें आरक्षण का लाभ न भी दिया जाए तो उन्हें सामान्य अभ्यर्थी के रूप में चयनित किया जाना चाहिए लेकिन सभी कागजात, मेरिट लिस्ट और पुलिस भर्ती बोर्ड की वेबसाइट से दोनों के नाम गायब हैं।

पहले भी सामने आई थी गड़बड़ी

गौरतलब है कि इस परीक्षा के परिणाम मेरिट के आधार पर तैयार किए गए थे। पीएसी आरक्षी और महिला आरक्षी के कटऑफ मार्क्स के मूल्यांकन में गड़बड़ी हुई थी। जिससे पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों का चयन सामान्य वर्ग में हो गया।

जो कटऑफ मार्क्स जारी किए गए थे उससे अधिक अंक पाने वाले अभ्यर्थी भी चयन से वंचित रह गए। ऐसे अभ्यर्थियों ने बोर्ड में शिकायत की जिसके बाद बोर्ड ने अपनी सहूलियत के लिये आनन फानन में महिला आरक्षी और पीएसी आरक्षी के चयन परिणाम को निरस्त कर नए सिरे से परिणाम घोषित करने की घोषणा कर दी।

अवैध संबंध के शक में पति ने काट दी नाक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक हैवान पति ने अपने दांतों से पत्नी की नाक काटकर अलग कर दी। पति को पत्नी के चरित्र पर शक था। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पति ने घायल पत्नी को जिला अस्पताल मे भर्ती कराया। पत्नी सीधे अपने पति पर आरोप लगा रही है। लेकिन पति कहता रहा कि ये नाक मैंने नहीं इसके प्रेमी ने काटी है।

जानकारी के अनुसार कांट थाना क्षेत्र के ग्राम पलहोरा निवासी अर्जुन ने अपनी 37 वर्षीय पत्नी की अवैध संबंध के शक के चलते दातों से नाक काटकर अलग कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पति ने अपनी घायल पत्नी को बेहोशी की हालत मे जिला अस्पताल मे भर्ती कराया। पत्नी के बेहोश होने का फायदा उठाकर आरोपी पति, पत्नी के प्रेमी पर नाक काटने का आरोप लगाने लगा। लेकिन जब पत्नी को होश आया तो उसने पति पर मारपीट कर नाक काटने का आरोप लगा दिया। पति काफी देर तक पत्नी को समझाता रहा लेकिन पत्नी घायल होने के बावजूद पति को हाथ लगाने नहीं दे रही थी।

पत्नी ने कहा कि वह बिहार की रहने वाली है और 14 साल पहले शादी हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं। लेकिन मेरा पति मेरे ऊपर शक करता था। हमने बहुत समझाया लेकिन पति मानने को राजी नही था। गांव पंचायत हुई तब भी हमने अपने पति के साथ रहने की बात की थी। उसके बाद जब वह घर आ गई तो उसकी सास देवर और पति ने मारपीट की। उसके बाद मेरे सीने पर पैर रखकर मुंह से नाक काट दी।

अधिकारियों ने बाढ़ से प्रभावित गांवों में राहत सामग्री वितरित की

बस्ती। जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक और अन्य अफसरों के साथ कल्यानपुर साइट का निरीक्षण किया और बाढ़ की स्थिति की आधिकारिक समीक्षा की। अब तक नदी खतरे के निशान से 35 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। कुछ दिनों पहले जलस्तर खतरे के निशान से (रिकार्ड) 55 सेमी ऊपर पहुंच गया था। अब पानी घट रहा है और जो अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा।

मौके पर मौजूद लोगों ने स्थायी बांध और गांव के निकट ठोकर की तत्काल मरम्मत की मांग कर रहे थे। जिलाधिकारी ने सभी ग्रामीणों को स्कूल परिसर बाढ़ शरणलाय पर बुलाया, उनसे बातचीत की और सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में उन्हें बताया।

साथ ही जिला प्रशासन द्वारा अब तक की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। गाँव के लोगो ने प्रशासन की तरफ से की गई अब तक की कार्रवाई के बारे में संतोष व्यक्त किया गांव के लोगो ने सीसी रोड जैसे कुछ और कामों के लिए जिलाधिकारी से अनुरोध किया।

जिलाधिकारी ने गावं के लोगो को आश्वस्त किया कि स्थाई बांध के मुद्दे को शीघ्र ही सरकार के समक्ष ले जाएंगे। बाढ़ खत्म होने के तुरंत बाद वह प्रारंभिक मंजूरी और निष्पादन के लिए उच्चतम स्तर पर स्वयं व्यक्तिगत पैरवी करेंगे।

जिलाधिकारी ने बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता से मोबाइल पर बात करके तुरंत पत्थरों को साइट पर इकट्ठा करने और ठोकर मरम्मत कार्य शुरू करने के लिए निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों की मांग पर गांव में सीसी रोड निर्माण कराने की घोषणा की। डीएम ने मोबाइल पर अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत से बात की और उन्हें अगले सप्ताह एसडीएम के साथ जाकर गांव में सीसी रोड बनाने के लिए अनुमानित बजट आंकलन तैयार करने का निर्देश दिया। और दिसंबर 2018 तक कार्य पूरा करने को भी कहा। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, एडीएम, एसडीएम और सीओ एवं तहसीलदार ने बाढ़ प्रभावित चार गांवों के 247 परिवारों को राहत सामग्री पैकेटश वितरित किया ।

पार्षदों के माफी मांगने के बाद समझौता

लखनऊ । जोनल अधिकारी मुनेंद्र सिंह राठौर के साथ मारपीट की घटना के बाद रविवार को दोनों पक्ष के बीच समझौता हो गया। भाजपा पार्षद दल के नेता राम कृष्ण यादव व पार्षद राजेश मालवीय ने माफी मांगी। नगर आयुक्त इंद्रमणि त्रिपाठी ने पार्षद और नगर निगम अधिकारियों तथा कर्मचारी संगठनों के बीच समझौता कराया। शनिवार को नगर निगम सदन में नाले की सफाई न होने पर जोनल अधिकारी जोन एक मुनेंद्र सिंह राठौर को हटाने की मांग भ्धाजपा पार्षदों ने की थी। महापौर संयुक्ता भाटिया ने नगर आयुक्त को निर्देश दे दिये थे।

सदन के स्थगित होने के बाद अधिकारी के अभद्र टिप्पणी करने पर भाजपा पार्षद दल के नेता राम कृष्ण यादव व राजेश मालवीय ने उन्हें थप्पड़ मार दिया। इससे नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारियों में आक्रोश था। रविवार को राजस्व संगठन के राजेश सिंह स्थानीय निकाय एवं जलकल कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शशि मिश्र, नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष आनंद वर्मा व उप्र नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राजेश सिंह की ओर से नगर आयुक्त को मिलकर आंदोलन की चेतावनी दी। देर शाम नगर आयुक्त कैम्प कार्यालय में दो घंटे तक चली बैठक के बाद पार्षदों को कर्मचारियों व अधिकारियों की भावना से अवगत कराया गया। फिर पार्षदों को समझौता कराने के लिये बुलाया गया। शाम छह बजे कैम्प कार्यालय में ही पार्षदए अधिकारी और कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक हुई। महापौर संयुक्ता भाटिया के बाहर होने से उनके बेटे प्रशांत भाटिया बैठक में मौजूद रहे। पार्षदों की ओर से उपाध्यक्ष अरूण तिवारी, रमेश कपूर बाबा, राजेश सिंह गब्बर, रजनीश गुप्ता मौजूद रहे। वहीं अधिकारियों में जोनल अधिकारी सुजीत श्रीवास्तव, राजेश गुप्ता, विनय प्रताप सिंह, कर अधीक्षक राजेश सिंह व चंद्रशेखर की उपस्थिति रही। नगर निगम परिवार में सब ठीक है। कोई मनभेद नहीं है।

कलयुगी बेटों ने बुजुर्ग माता–पिता को मारने की साजिश की

सहमे दम्पति ने मकान छोड़ रिश्तेदार के घर ली पनाह

निगोहां–लखनऊ। थाना क्षेत्र के राती गांव में जमीन के टुकड़े के लालच में तीन कलयुगी बेटों ने बुजुर्ग माता–पिता को मारने की साजिश रच डाली। बेटों ने हटने पर आरोपित धमकाते हुए भाग निकले। पुलिस ने बुजुर्ग दम्पति को तीन घण्टे तक थाने पर बैठाए रखा लेकिन मदद नहीं की। रविवार को यूपी पुलिस के ट्विटर हैण्डल पर शिकायत की गयी, जिसके बाद कार्रवाई का आदेश हुआ।

यूपी पुलिस के ट्विटर हैण्डल पर शिकायत, पुलिस को कार्रवाई का आदेश

राती गांव में मंशाराम पत्नी के साथ रहते हैं। उनके चार बेटे राम नारायण, राजनारायण, राम मोहन व लक्ष्मी नारायण हैं। राज नारायण, राम मोहन व लक्ष्मी नारायण परिवार संग अलग–अलग मकानों में रहते हैं। वहीं, राम नारायण का भी अलग मकान है लेकिन वह इनके साथ ही रहता है। अलग रह रहे तीनों बेटों की जमीन के टुकड़े पर नीयत इस कदर खराब हुई तो उन्होंने माता–पिता को ही मारकर जमीन हासिल करने की साजिश की।गुरुवार रात करीब सवा आठ बजे तीनों भाई तमंचा व कुल्हाड़ी लेकर पिता के दरवाजे पर पहुंचे और गाली–गलौज करने लगे। विरोध करने पर बेटों ने फायर किया लेकिन बुजुर्ग दम्पत्ति बच गये। बुजुर्ग शोर मचाते हुए भागे तो तीनों ने उन्हें घेरा और डण्डों व कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। पीड़ित दम्पति ने घटना की सूचना डायल–100 पर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन कर थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कहकर चलती बनी। इसके बाद बुजुर्ग मंशाराम पत्नी संग थाने पहुंचे। करीब तीन घण्टे तक पुलिस ने उन्हें बैठाए रखा लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की। सहमे दम्पत्ति गांव छोड़कर रिश्तेदार के घर पनाह लिए हैं। उपनिरीक्षक रामफल मिश्रा ने बताया कि जांच हल्का दरोगा को दी गयी है। वहीं, बुजुर्ग दम्पति का कहना है कि शिकायत करने पर पुलिस ने कहा कि प्रधान से बात करने के बाद ही वे कार्रवाई करेंगे।

गुरुवार रात हथियारों से लैस होकर मकान पर धावा बोला। गाली–गलौज का विरोध करने पर बेटों ने असलहे के फायरिंग की, जिसमें बुजुर्ग दम्पति बाल–बाल बच गये। भागने पर बेटों ने उन्हें घेरकर डण्डों से पीटा। ग्रामीण मदद के लिए बढ़े तो आरोपितों ने उनपर भी असलहे तान दिये। ग्रामीणों के न

मलेरिया अधिकारियों ने 31 घरों को नोटिस जारी

लखनऊ । बरसात के साथ ही मच्छरों के लार्वा भी मिल रहे है। रविवार को जिला मलेरिया अधिकारी ने महानगर स्थित गोपालपुर मोहल्ले के 31 घरों का निरीक्षण किया। क्षेत्र के तीन घरों में मच्छरों के लार्वा पाए गये। इनसे मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारी भी फैल सकती है। उन्होंने इन तीन घरों को नोटिस दे दिया गया है। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि गंदगी और पानी के कने वाले स्थलों को साफ–सुधरा रखा जाए। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. डीएन शुक्ला ने बताया कि मौसम परिवर्तन के कारण मच्छरों की उत्पत्ति में बढ़ोत्तरी होती है, जिससे मच्छर जनित रोग बढ़ने लगते हैं जैसे डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया और फाइलेरिया बीमारी फैल सकती है।

उन्होंने लोगों को सलाह दी कि बचाव के लिए वे अपने आसपास बेकार पानी जमा न होने दें। उन्होंने बताया कि डेंगू एक संक्रमित मादा एडीज नामक मच्छर के काटने से मनुष्यों में फैलने वाला एक रोग है। यह सामान्यता बुखार के रूप में उत्पन्न होता है। इसमें तेज सिरदर्द व बुखार के अलावा मासपेशियों और जोडों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, उल्टी होना, मंसूढ़ों से खून आना और कभी–कभी हाथ, चेहरे व पेट पर चकत्ते डेंगू बुखार के लक्षण हो सकते है। अगर कोई बीमार हो तो तुरन्त निकट के स्वास्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्य केन्द्र, जिला चिकित्सालय में जाकर ब्लड की जांच कराएं।

संक्षिप्त समाचार

रिटार्यड फौजी ने दी आत्मदाह की धमकी

लखनऊ । एयरफोर्स से रिटार्यड अभिनेष कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि जानकीपुरम विस्तार के तिवारीपुर में और वर्ष 2012 में किसान खुशीराम से जमीन का बैनामा करवाया। इसके बाद पीड़ित दिसम्बर 2017 में एयरफोर्स से रिटार्यड होकर इस जमीन पर भवन पर निर्माण करवाने लगा तो लेखपाल ने यह कह कर काम कवा दिया कि जमीन ग्राम समाज की बंजर जमीन है। इसके बाद रिटार्यड फौजी एसडीएम बख्शी का तालाब से लेकर एसएसपी तक से न्याय के लिए गुहार लगाई, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिल रहा है, इसलिए रिटार्यड फौजी विधानसभा के सामने आत्मदाह करने के लिए विवश है।चोरी के माल के साथ दो गिरफ्तार रू विकासनगर पुलिस ने राघवेन्द्र तिवारी निवासी बछरावां रायबरेली व ललित राजपूत निवासी फूलपुर ईशनगर लखीमपुर खीरी को गिरफ्तार कर चोरी का सामन बरामद किया है। आरोपितों के पास से एक छोटा हाथी भी मिला है जिसपर वह चोरी का सामान लेकर जाते थे।

7 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म

महाराजगंज। जिले के बृजमनगंज थाना क्षेत्र के धानी बाजार बेलसर में 7 वर्षीय बालिका के साथ उसी के पड़ोसी द्वारा दुष्कर्म का मामला संज्ञान में आया है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना 6 अगस्त की है पड़ोस का ही एक 15 वर्षीय लड़के ने घटना को अंजाम दिया।

लड़की की हालत खराब होने पर परिजनों द्वारा पूछे जाने पर आप बीती सुनाई जिसपे लड़की के पिता ने पुलिश को सूचना दी मौके पर पहुची पुलिश लड़की के पिता के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मानवरहित क्रासिंग पर ट्रेन से कट कर युवक की मौत

हरदोई, थाना माधौगंज के कुरसठ चौकी के अंर्तगत मानवरहित गेट को पार कर रहे युवक की पैसेंजर गाड़ी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। युवक गूंगा बहरा था थाना क्षेत्र के गांव अटवा अली मर्दानपुर के सामने मानव रहित रेलवे का गेट है। रविवार को दिन में करीब 3रू40 बजे अय्यूब 40 पुत्र मो अली निवासी सौंहार अटवा अली मर्दानपुर से खेती बाड़ी करके गांव वापस जा रहा था। उसी समय बालामऊ से कानपुर को जा रही पैसेंजर गाड़ी उधर से गुजर रही थी। गूँगा बहरा होने के कारण वह गाड़ी की चपेट में आ गया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज जनार्दन सिंह ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट माटम के लिए भेज दिया ।

ट्रामा सेंटर ग्राउंड फ्लोर में टपक रहा पानी, मरीज परेशान

लखनऊ। बरसात में किंग जार्ज चिकित्सा विविद्यालय के विभिन्न वार्डों में छत से पानी टपकने लगातार सामने आ रहा है। परन्तु रविवार को यहां के ट्रामा सेंटर में ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में पानी टपकने लगा तो अफरा–तफरी मच गयी। पानी के कारण तीमारदारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सेंटर में कई जगहों पर दीवारों पर सीलन भी बहुत जबरदस्त आ गयी है। इस कारण मरीजों को संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। वही केजीएमयू के जिम्मेदार अधिकारियों ने निर्माण निगम को जानकारी देकर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर ली है। बताते चले कि महत्वपूर्ण विभाग कहे जाने वाले ट्रामा इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में 24 बिस्तर हैं। गंभीर मरीजों के कारण ज्यादातर बिस्तर फुल ही रहते है। यहां पर वार्ड में ही पानी टपकने लगा है। आलम यह है कि जहां पानी टपक रहा है, उसके बगल में ही मरीजों को भर्ती किया गया है। जगह– जगह बाल्टियां लगाकर पानी को रोका जा रहा है। वहां बैठे तीमारदारों ने बताया कि सुबह से ही पानी टपक रहा है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **जैश का शीर्ष** . . . लोकेशन पर तैनात किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि इंटेलिजेंस रिपोर्ट हैं कि महिला फिदायीन राजधानी पर हमले की तैयारी कर रही हैं। यह टीम ऐसे किसी भी हमले से निपटने में पूरी तरह तैयार है। इनमें से ज्यादातर को ऐंटि–टैरर वैन 'पराक्रम' में तैनात किया जाएगा। इन कमांडों को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए भी तैयार किया गया है, जो दिल्ली के लिए काफी अलग हैं, जैसे मल्टिस्टोरी बिल्डिंग पर चढ़ना, होटल, बस और मेट्रो में बंधकों को बचाने के लिए ऑपरेशन चलाना आदि।

ट्रेनिंग में भाषा बाधक न बने इसलिए उत्तरपूर्वी राज्य से एक इंस्ट्रक्टर को भी टीम में शामिल किया गया है। जहां पुरुष कमांडो 12 महीने की ट्रेनिंग लेते हैं, वहीं महिला स्वैट टीम को 15 महीने की ट्रेनिंग दी गई है। इसमें 3 महीने की ट्रेनिंग स्वाट एक्सपर्ट द्वारा दी गई है। 12 महीने की कमांडो ट्रेनिंग झारौदा कलां और स्वाट ट्रेनिंग एनएसजी के मानेसर स्थित सेंटर पर दी गई है।

इस टीम को बगैर हथियार के मुकाबले, दुश्मन पर हमला, हमले का बचाव, जंगल में ऑपरेशन, शहरी ऑपरेशन जैसे बिल्डिंग पर चढ़ना, बस, मेट्रो आदि में रेस्क्यू ऑपरेशन और वीवीआईपी सुरक्षा में महारथ हासिल है। इन्हें विस्फोटकों की भी प्रारंभिक जानकारी दी गई है। इसके अलावा आईईडी इस्तेमाल के बारे में भी इस टीम को बताया गया है।

एमपी5 सबमशीन गन, ऐके–47 राइफल, जीलॉक 17 और जीलॉक 26 पिस्टल को बेहद सहजता से इस्तेमाल कर सकती हैं। इन्हें हैंड ग्रेनेड किट, वायरलेस सेट, 20 मीटर नाइलॉन रस्सी, पेंसिल टॉर्च, बुलेटप्रूफ जैकेट, बुलेटप्रूफ हेल्मेट, कटर और कमांडो डैगर भी दिया गया है। इन्हें स्पेशल नी और ऐल्बो पैड भी मुहैया कराए गए हैं।

क्या होता है स्वाट कमांडो का काम

अमेरिका की तर्ज पर भारत में भी स्वाट कामांडो टीम बनाई गइ थी। स्वाट कमांडो ट्रेनिंग बेहद कठिन होती है। यह फोर्स किसी भी स्थिति में दुश्मन का खात्मा करने की ताकत रखती है। इन्हें हवा, पानी और जंगल में ऑपरेशन को अंजाम देने में महारथ हासिल है। इन्हें अंधेरे में भी दुश्मन की पहचान कर उसे खत्म करने की ट्रेनिंग दी जाती है। आतंकी और नक्सली ऑपरेशन का काम इस टीम को दिया जाता है। 2008 में हुए मुंबई हमले के बाद भारत में स्वाट टीम बनाने की जरूरत महसूस हुई थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस को यह काम सौंपा गया।

रेप पीड़िता ने एसएसपी से मदद की लगाई गुहार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। किशोरी को मकान में 2 साल तक बंधक बनाकर गैंग रेप (raped) किया गया। जब किशोरी ने इसका विरोध किया तो उसकी उंगली काट दी गई और उसको लाठी डंडों से मारा जाता रहा। किशोरी किसी तरह दरिंदों के चुंगल से बच कर निकली तो पुलिस ने उसकी ना सुनी मामले में एफआईआर दर्ज कर खानापूर्ति कर दी गई। कई दिनों से किशोरी थाने के चक्कर लगा रही लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। आखिर पीड़ित युवती थाने की पुलिस से त्रस्त होकर परिवार के साथ एसएसपी कैम्प कार्यालय न्याय की गुहार लगाने पहुंच गई।

ये था मामला

पूरा मामला अलीगंज थाना क्षेत्र के त्रिवेणीनगर 3का है। जहां युवती को एक घर में पिछले दो साल से बंधक बना कर गैंग रेप किया जाता था। हैवानों की हैवानियत की हद तब पार हो गई जब किशोरी के विरोध करने पर दरिंदों ने उसकी उंगली कांट दी और उसे बेरहमी से मारा पीट कर उसके बाल काट दिये। किसी तरह किशोरी जान बचाकर अपनी बहन के घर पहुंची जहां उसने पूरी आप बीती सुनाई।

पीड़िता की माने तो त्रिवेणी नगर के सुधीर गुप्ता और उसकी पत्नी साथ ही श्वेता गुप्ता नाम की महिला ने उसे बंधक बना लिया और उससे गलत काम करवाने लगे। पीड़िता का आरोप है कि सुधीर गुप्ता अपने घर में देहव्यापार का धंधा चलाता है। यही वजह थी की उसने उसको बंधक बना लिया।

जब उसने इसका विरोध किया तो उसको बेरहमी से मारपीटा जाता था। साथ ही उसकी उंगली कैंची से कांट दिया पीड़िता ने बताया ताला खुला देख वह वहाँ से किसी तरह जान बचाकर भागी और अपनी बहन को पूरी बात बताई। साथ ही पीड़िता ने पुलिस पर सहयोग ना करने का आरोप भी लगाया।

शुरू हो गयी कार्रवाई

पीड़िता की बहन ने अलीगंज थाने की पुलिस पर सहयोग ना करने का आरोप लगाया साथ ही न्याय की गुहार लगाई। वही पूरे मामले में एसपी ट्रांसगोमती हरेंद्र कुमार का कहना है पीड़िता का मामला दर्ज किया जा चुका है। आगे की कार्रवाई की जा रही सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

लखनऊ पुलिस ने किया डीजल चोरी का खुलासा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पुलिस ने एक बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने यहां डीजल चोरों को चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा है। पुलिस ने इस व्यक्ति का नाम राजन बताया है। यह व्यक्ति इण्डियन ऑयल की गाड़ियों से डीजल चोरी कर रहा था और साथ ही पुलिस ने भारी मात्रा में चोरी का डीजल भी बरामद किया है। मौके पर इण्डियन ऑयल की गाड़िया पकड़ी गई है।

कैसे हुआ खुलासा

पुलिस को जानकारी मिली कि थाना बंथरा के जुनाबगंज के पास शहजादी गांव में एक प्लॉट है जहां चोरी के पेट्रोल होने की खबर थी। इस जानकारी पर पुलिस ने तत्काल प्रभाव से छापेमारी की और जब पुलिस ने छापेमारी की तो हैरान करने वाली घटना सामने आई। पुलिस को यहां भारी मात्रा में चोरी का डीजल प्राप्त हुआ। चोरी के डीजल को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

जब पुलिस ने यहां छापेमारी की तो पुलिस को चोरी के डीजल के साथ–साथ इंडियन ऑयल की कई गाड़िया भी मिली, पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. जिससे इस पूरी घटना की पूछताछ की जा रही है. साथ ही इंडियन ऑयल की गाड़ियों को भी कब्जे में ले लिया। गिरफ्तार व्यक्ति से पुलिस यह जानकारी निकालने की कोशिश कर रह है कि और इस तरह की चोरी करने वाले व्यक्ति या संगठग, गैंग शहर में सक्रीय है।

दबंगों ने विधवा वृद्धा की दीवार ढहायी

निगोहां–लखनऊ । निगोहां के लालपुर कुटिया गांव में एक विधवा बुजुर्ग महिला की गांव के कुछ दबंगों ने 30 फिट लंबी दीवार को ढहा दिया। पीड़ित महिला की शिकायत पर एसडीएम ने निगोहां पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की,पीड़ित ने एसएसपी से न्याय की गुहार की है। लालपुर कुटिया गांव की रहने वाली विधवा नन्कई ने बताया कि गांव के रहने वाले रामफल एक सप्ताह पूर्व अपने साथियों के साथ उनकी तीस फिट लम्बी दीवार को ढह दिया। जब विरोध किया तो मारपीट करने पर अमादा हो गए। घटना के बाद कई बार शिकायत निगोहां पुलिस से की पर कार्रवाई न होने पर एसडीएम मोहनलालगंज से गुहार लगायी, जिसके बाद एसडीएम ने भी निगोहां पुलिस को ही कार्रवाई के निर्देश दिए। पीड़ित का आरोप है कि एसडीएम के आदेश के बाद भी निगोहां पुलिस ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, जिसके बाद परेशान होकर एसएसपी से गुहार लगाई है।

रोड एक्सीडेंट में मोटरसाइकिल युवक गंभीर रूप से हुआ घायल

अम्बेडकरनगर। जिला मुख्यालय से 18 किलोमीटर की दूरी महरुआ थाने की अंतर्गत सुखारी गंज बाजार में करीब 6:00 बजे के आसपास एक बाइक और पिकअप की 2014 टक्कर हुई जिसमें बाइक के परखच्चे उड़ गए और बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर मौजूद लोगों ने उसे हॉस्पिटल भर्ती कराया गया ।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग कर रहे सरकारी कर्मी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ सहित प्रत्येक जिले में राज्य व केंद्रीय कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार को सड़कों पर उतरकर धरना–प्रदर्शन कर पुरानी पेंशन बहाली की मांग उठायी। इस दौरान पुरानी पेंशन बहाली मंच के बैनर तले कर्मचारियों, शिक्षकों, अधिकारियों व रेलकमियों ने मांगों का ज्ञापन जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया। राजधानी लखनऊ में मुख्य आयोजन डीएम आवास के समक्ष कर्मचारियों के मसीहा स्वर्गीय बीएन सिंह के प्रतिमा स्थल ''कर्मचारी प्रेरणा स्थल' पर हुआ।

संक्षिप्त समाचार

सीएम से मिले शिवपाल यादव

लखनऊ । सपा के वरिष्ठ नेता व जसवंतनगर से विधायक शिवपाल सिंह यादव ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एनेक्सी में मुलाकात कर भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत दर्ज करायी। उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किये और थानों में प्राथमिकी न लिखने का भी मुद्दा उठाया। मुख्यमंत्री ने उन्हें जरूरी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। श्री यादव तकरीबन 30 मिनट तक पंचम तल पर रहे।सीएम से मिलने के बाद जब वह लौटे, तो मीडिया ने उन्हें घेर लिया। मुखयमंत्री से मिलने की वजह पूछने पर श्री यादव ने कहा कि भाजपा प्रदेश में भ्रष्टाचार को खत्म करने का वादा कर सत्ता में आयी थी, लेकिन अपने इस वादे पर वह फेल हो गयी है। थानों में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। जसवंतनगर, इटावा, मैनपुरी में पुलिस तंत्र पूरी तरह उगाही में लगा है और बिना मुट्ठी गरम किये प्राथमिकी तक दर्ज नहीं कर रही है। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री से शिकायत की और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की मांग की है। पूर्ववर्ती अखिलेश सरकार में मंत्री रहे श्री यादव ने कहा कि सपा सरकार में प्रदेश में नयी राजस्व संहिता बनायी गयी थी। इसमें प्रावधान किया गया था कि सम्पत्ति की रजिस्ट्री कराने के बाद स्वतरू दाखिल खारिज कराया जाएगा, लेकिन रजिस्ट्री के तीन से छह महीने बाद भी सम्पत्तियों के दाखिल खारिज नहीं हो रहे हैं। इसके पीछे भी एक बड़ी वजह भ्रष्टाचार ही है। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की समस्याओ का समाधान नहीं कर पा रही है।

तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड

बदायूं। बिसौली थाना क्षेत्र के एक गांव में पुलिस की पिटाई से वृद्व की मत मामले में एसएसपी ने तीन पुलिस कर्मियं क सस्पेंड कर दिया है। साथ ही घटना में शामिल रहे हमगार्ड के खिलाफ कार्रवाई क विभाग क लिखा है।बुावार क हवाला कारबार के शक में युवक क पकड़ने गई पुलिस ने बेटे के सामने उसके बाप क पीट–पीटकर मत के घाट उतारने का आरप लगा है। बिसौली थाना क्षेत्र के गांव संग्रामपुर जो कि हवाला कारोबार के लिए बदनाम है। बुधवार को दबतोरी चौकी प्रभारी सुनील कुमार व एसआई अजीत सिंह, सिपाही सुरेश के अलावा एक हमगार्ड क लेकर संग्रामपुर गांव पहुंच गए। पुलिस ने हवाला कारबार के शक में खेत पर काम कर रहे अकबर नाम के युवक क पकड़ लिया अर अपने साथ ले जाने लगे। उसी वक्त अकबर के पिता मशकूर नबी (60) भी खेत पर पहुंच गए अर हिरासत में लेने की वजह पूंछी। आरप है कि इसी बात पर पुलिसकर्मी बखला गए अर मशकूर नबी को पीटने लगे। पिटाई के दौरान मशकूर की मके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिसकर्मी व हमगार्ड मके से भाग गए।

सिधौली अटरिया थाना क्षेत्र में मचा चोरों का आतंक

अटरिया। अटरिया नीलगाव मार्ग पर स्थित गनेरा चौराहे के निकट एक पे पेट्रोल डीजल की दुकान से बीती रात चोरों ने दुकान में पांच हजार रुपए नगद दस लीटर डीजल चोरी कर ले गये।

जानकारी के अनुसार सोनू यादव निवासी गनेरा का पुरवा मजरा गनेरा रात्रि के समय दुकान से पीछे का हिस्सा तोड़ कर दुकान में रखे नगद पांच हजार रुपए व दस लीटर डीजल बेखौफ चोरों ने अपना हाथ साफ कर दिया।

सुबह होते ही जब सोनू अपनी दुकान खोलने के लिए आया तो देखा कि दुकान से पैसे व डीजल गायब मिला उसने दुकान के चारों तरफ देखा तो पीछे के हिस्से में दीवार टूटी देकर स्थानीय लोगों को बुलाया और पुलिस को सूचना दी सिपाही पारस नाथ मौके पर पहुंच कर मामले की जांच कर रहे हैं। वहीं पीड़ित सोनू ने बताया कि इस प्रकार की घटनाएं दो तीन बार पहले भी हो चुकी है।

दबंगो ने उखाड़ा खण्ड़जा ग्रामीणों को पीटा, आक्रोश

सुबेहा बाराबंकी। थाना सुबेहा अन्तर्गत ग्राम पूरे दुर्जन मजरे टिकरहुवां मे आम ग्रामीणो को आने जाने के लिए काफी परेशानी होती थी सम्पर्क मार्ग तो था लेकिन वरसात मे ग्रामीणों को पैदल चलना दुश्वार था ग्रामीणों की मांग पर ग्राम प्रधान ने खण्ड़जा लगवाना शुरू किया

आज सुबह जब मजदूर खण्ड़जा लगा रहे थे इसी बीच गॉव के दबंग वहॉ पर पहॅुच गये और मजदूरो को मारपीट कर खदेड़ दिया और सारा खण्ड़जा उखाड कर फेक दिया दबंगो का कहना था कि मेरी जगह पर खण्डजा नही लगेगा जिससे जो शिकायत करनी हो तो जाकर करो।

मजदूरों ने उक्त बात ग्राम प्रधान प्रतिनिधि हनुमान द्विवेदी से बतायी जिसपर सैकड़ो ग्रामीणो को साथ मे लेकर प्रधान प्रतिनिधि थाना सुबेहा पहॅुचे और उक्त घटना की शिकायत की सुबेहा प्रभारी निरीक्षक ने जॉच शुरू कर दी है। दबंगो की दंबगई के कारण ग्रामीणो मे जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार थाना सुबेहा क्षेत्र के ग्रामीणों के आने जाने के लिए ग्राम प्रधान ने खण्ड़जा लगवाया था। गॉव के कुछ दबंग मौके पर पहॅुच गये और प्रधान द्वारा लगाये जा रहे खण्ड़जे को उखाड़ कर ईट फेकना शुरू कर दिया तथा काम कर रहे मजदूरो की पिटायी शुरू कर दी जब तक ग्रामीण पहॅुते तब तक दबंग मौके से फरार हो गये।

इस घटना से आक्रोशित ग्राम प्रधान ने सैकड़ो ग्राम वासियो को साथ थाना सुबेहा मे जाकर के इसकी लिखित शिकायत थाना प्रभारी से की शिकायती पत्र मिलने के बाद सुबेहा पुलिस ने जॉच पड़ताल शुरू कर दी है।

पूरे समाज को साथ लेकर चलती है भाजपा : कुशमेश

हैदरगढ़ बाराबंकी। भाजपा ही पूरे राष्ट्र की इकलौती ऐसी पार्टी है जो पूरे समाज के हर वर्ग को एक साथ मे लेकर चलती है भाजपा ने कभी भी भेदभाव जातिपात की राजनीति नही की है।

उक्त बात युवा भाजपा नेता शशांक कुशमेश ने विधान सभा क्षेत्र हैदरगढ़ के अन्तर्गत आने वाले नगर पंचायत सुबेहा मे कार्यकर्ताओ द्वारा आयोजित वृक्षा रोपण के कार्यक्रम मे कही।

श्री कुशमेश ने कहा कि प्रदेश में हरित क्रांति लाने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अभियान चलाया है इसी के तहत आगामी 15 मार्च को पूरे प्रदेश में 9 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है उन्होने कहा कि पेड़ पौधे लगाने से ज्यादा अच्छा है कि उनकी देखभाल भी की जाये क्योंकि पेड़ो से शुद्व जलवायु मिलती है वातावरण भी शुद्व रहता है।

उन्होने यह भी कहा कि मेरा मिशन लोकसभा चुनाव 2019 है अगर राष्ट्रीय नेतृत्व ने मुझ पर भरोसा किया तो मै चुनाव लडने को तैयार हूॅ इसके बाद सुबेहा मण्डल की बैठक मे भी भाजपा नेता श्री कुशमेश ने भाग लिया।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजीत सिंह, अम्बुज मौर्या, राम बहादुर सिंह, विवेक मिश्रा, दीन बन्धु पाण्डेय, रंजीत सिंह आदि लोगो ने भी अपने विचार

जेई के मकान में लाखों की चोरी कार सवार चोरों की करतूत कैद

लखनऊ। विभूतिखण्ड के विभवखण्ड–3 में कार सवार चोरों ने शनिवार देर रात एलडीए के जूनियर इंजीनियर के मकान को टारगेट किया। बाउण्ड्री फांदकर अंदर घुसे चोरों ने कमरों के ताले तोड़ दिया। सभी आलमारियों के लॉक तोड़कर नकदी व जेवर बटोरे। चोरों ने बेड भी पलटा। वारदात के दौरान चोर कैमरे का डीवीआर लेकर भाग निकले। पड़ोसी के कैमरे में कार सवार चार चोरों की करतूत कैद हुई है। पुलिस फुटेज की मदद से कार मालिक का पता कर रही है।मूल रूप से सदानंदनगर अहिरवा कानपुरनगर निवासी ठेकेदार धीरज शर्मा करीब दो साल से विभवखण्ड–3ध्108 में किराए पर रह रहा है। मकान मालिक एलडीए के जूनियर इंजीनियर मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव करीब एक हफ्ते पहले पत्नी संग दिल्ली में रह रहे बेटे से मिलने गये थे। बीते शनिवार को धीरज भी निजी काम से घर से बाहर गया था। रविवार सुबह वह घर पहुंचा। मुख्य द्वार खोलकर अंदर गया तो सभी कमरों के ताले टूटे मिले। मकान में चोरी की सूचना उसने मकान मालिक मिथिलेश कुमार व डायल–100 पर दी। चोरी की खबर मिलते ही मकान मालिक का भांजा मयंक निवासी अजरुनगंज वहां पहुंचा। मयंक का कहना है कि चोरों ने सभी आलमारियों के लॉक तोड़ने के साथ ही सारा सामान फैला दिया था। साथ ही चोरों ने बेड तक पलट दिये थे। आलमारी में रखी नकदी व जेवर गायब हैं।पुलिस ने फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को बुलाकर पड़ताल की। इंस्पेक्टर मथुरा राय का कहना है कि मकान मालिक मिथिलेश कुमार के आने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि चोरी क्या–क्या हुआ है और कितने का है। सीओ चक्रेश मिश्रा का कहना है कि चोरों ने वारदात के बाद सीसीटीवी कैमरों डीवीआर निकाला और ले गये। पुलिस ने पड़ोसी के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले तो दिखा कि एक कार रात करीब सवा एक बजे मकान के सामने रूकी थी।कार से उतरे युवक ने आवारा कुत्ते को बिस्किट खिलाया और फिर कार में बैठकर चला गया। कुछ देर बाद वही कार दोबारा आयी। मकान के सामने कार रूकी। दो युवक उतरे और मकान की बाउण्ड्री फांदकर घुस गये।

लखनऊ पुलिस पर लगा रिश्वतखोरी का आरोप

राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज से बीजेपी सांसद कौशल किशोर ने लखनऊ पुलिस की शिकायत एसएसपी कलानिधि से करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। बीजेपी सांसद ने ट्वीट कर निगोहा थाना पुलिस पर पीड़ित को प्रताड़ित करने और पांच हजार रुपए की रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। बीजेपी सांसद के ट्वीट ने लखनऊ पुलिस की मनमानी और अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी को सबके सामने ला दिया है।

अफसरों को ठीक करें डीजीपी

जानकारी के मुताबिक, बीजेपी सांसद कौशल किशोर ने शनिवार को अपने ट्वीटर हैंडल से ट्वीट कर लिखा, 'निगोहा थाना के रमपुरा में पीड़ित ने पुलिस बुलाई, बजाय मदद के पुलिस के ने 151 में चलान कर दिया, 5000 रूपए भी ले लिए और रूपए मिलने पर अभी तक पीड़ित को थाने में बंद करके रखा है। क्या अब हर पीड़ित की मदद के लिए मुझे सोशल मीडिया का सहारा लेना पडेगा। एसएसपी लखनऊ ध्यान दें।'

उन्होंने अगले ट्वीट में लिखा, 'तत्काल पीड़ित के रूपये वापस कराएं और न्याा्य दिलाएं। ऐसे अफसरों को ठीक करें। मैं अपनी जनता के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं करूंगा।'

लखनऊ पुलिस के जवाब पर भी बोला हमला : दरअसल, लखनऊ पुलिस ने कौशल किशोर के ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा कि दिनांक 09.08. 2018 को दोनों पक्षों की ओर से अभियोग पंजीकृत हुआ था । एक

बीजेपी सांसद ने लगाया आरोप

पक्ष की गिरफ्तारी 09.08.2018 को हुई , दूसरे पक्ष की गिरफ्तारी आज दिनांक 11.08.2018 को हुई है । अन्य तथ्यों की जांच हेतु ⁄च्ऋ्त ।ऋस्नबादवू को निर्देशित किया गया।

इसका जवाब देते हुए बीजेपी सांसद ने लिखा कि जिसने 5000 रूपए लिए हैं उसके खिलाफ क्या हुआ, किसके संरक्षण में ये रिश्वतखोरी चल रही है। क्यो पीड़ित के रूपये वापस होंगे।

सीट बेल्ट न बांधने पर टेम्पो चालक का किया चालान

लखनऊ। पुलिस विभाग में कुछ ऐसे भी दरोगा हें, जिन्हें यह भी नहीं मालूम कि टेम्पो में चालक सीट पर सीट बेल्ट होती ही नहीं है। पारा के हंसखेड़ा चौकी पर तैनात दरोगा ने शनिवार शाम को चेकिंग अभियान के दौरान टेम्पो चालक का सीट बेल्ट न लगाने के कारण चालान काटकर चालानी रसीद थमा दी। पारा के हंसखेड़ा चौकी में शनिवार शाम वाहनों की चेकिंग अभियान के दौरान हंसखेड़ा पुलिस चौकी पर तैनात दरोगा जगजीत सिंह ने सीएनजी टेम्पो यूपी32ध8923 को रोककर चालक से गाड़ी के कागजात मांगे। चालक ने गाड़ी के कागजात देते हुए चालक ने दरोगा से कागजात पूरे होने की बात कही, जिससे झल्लाये दरोगा ने चालक को नियम और कानून का पाठ पढ़ाते हुए टेम्पो चालक द्वारा सीट बेल्ट न लगाने के कारण चालान काट दिया। दरोगा ने रसीद पर साफ तौर पर वाहन का नम्बर लिखते हुए यह लिख दिया कि चेकिंग के दौरान चालक ने सीट बेल्ट नहीं लगाया। वहीं गाड़ी मालिक रमाशंकर का कहना है कि टेम्पो के सारे कागजात दुरुस्त थे फिर भी दरोगा साहब ने चालान कर दिया। दरोगा साहब ने यह चालान कैसे किया यह समझ से परे है।चालक के पास लाइसेंस भी नहीं पर चालान किया सीट बेल्ट पर रू कनौसी निवासी वाहन स्वामी रमाशंकर ने बताया कि चालक गौरव के पास ड्राइविंग लाइसेन्स नहीं था और उनकी टेम्पो का परमिट अवध चौराहे से दुबग्गा तक था। टेम्पो पारा थाने से कांशीराम कालोनी जा रही थी।

बीजेपी सरकार में भी जगदीश गांधी का काला कारनामा, आवास विकास परिषद सवालों के घेरे में

लखनऊ। सीएमएस राजधानी के नामी स्कूलों में गिना जाता है। लेकिन इसके अंदर की असलियत पता करें तो कुछ और ही है। शिक्षा के नाम पर लूट–खसोट करने वाले बड़े के मालिक जगदीश गांधी का काला कारनामा बीजेपी सरकार में भी कायम है।

आए दिन प्रदेश सरकार शिक्षा को लेकर बड़े–बड़े दावे और वादे कर रही है। लेकिन असलियत क्या है, यह जगदीश गांधी जैसे लोगों द्वारा खुले आम अवैध धंधा करने वालों के विरुद्ध किसी तरह की कार्रवाई नहीं करने से मालूम होता है।

आवास विकास की धीमी कार्रवाई से भी अधिकारियों के कार्यशैली पर सवाल उठना

स्वाभाविक है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि कहीं न कहीं आवास विकास परिषद की भी मिलीभगत है, जिस वजह से सख्त कार्रवाई अभी तक नहीं की जा सकी है।

बताते चलें कि स्वतंत्र प्रभात की टीम ने जब इस पूरे प्रकरण की गहराई से छानबीन की, तो जगदीश गांधी के सिर्फ एक कारनामे ही नहीं हैं, अन्य कारनामों के सच भी सामने आए।, जिनको जल्द ही जनता के सामने लाया जाएगा।

जगदीश गांधी पर अभी तक नहीं हुई कोई ठोस कार्रवाई

इतना ही नहीं अपने बचाव के लिए यहां पर स्कूल खोल दिया ताकि किसी तरह की कार्रवाई करने में सरकार को भी सोचना पड़े। लेकिन आवास विकास परिषद से आदेश होने के बावजूद जगदीश गांधी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

वहीं जगदीश के असली चेहरे का पता तो तब चला जब अनाधिकृत निर्माण गिराए जाने के संबंध में शिकायत की। यूपी में जंगलराज किस कदर कायम है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब एक आईएएस अधिकारी की सुनवाई नहीं हुई तो आम जनता का क्या हाल होगा।

हालाकि जो भी हो इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि कहीं न कहीं पूर्व सरकार में बड़े ओहदे तक जगदीश गांधी की पहुंच थी। जिस वजह से आईएएस अधिकारी को भी न्याय नहीं मिला और अंततः हारकर शांत बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा। लेकिन 15 साल बीत जाने के बाद भी किसी तरह की कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं जुटा सका।

सीएमएस के अधिकारियों ने हालांकि, अपनी गलती स्वीकार करनी शुरू कर दी है। साथ ही प्रकरण को लेकर सुधार की बात भी कही है। यह भी कहा गया कि अगले सत्र से छात्रों का भविष्य अंधकार में नहीं रहेगा। चूंकि 15 सालों से शिक्षा का अवैध कारोबार कर रहे सीएमएस ने जनता को धोखे में रखा है। जिससे आम जनों का भरोसा टूट चुका है।

समाजसेवी संदीप पांडेय द्वारा मांगे गए आरटीआई के जवाब में आवास विकास परिषद ने खुद यह बात बताई है उन्होंने कहा कि ए–823, ए–903 इंदिरा नगर, लखनऊ चार मंजिला सिटी मांटेसरी स्कूल के भवन निर्माण की अनुमति नहीं दी गई है।

सम्पादकीय

करुणानिधि के जाने पर शून्य कौन भरेगा ?

भारतीय राजनीति में संघवाद और क्षेत्रीय अस्मिता का परचम लहराने वाले मुथुवेल करुणानिधि के जाने से तमिलनाडु की राजनीति में जो शक्ति–शून्यता उभरी है, उसे कौन भरेगा, कहना मुश्किल है। पिछले पांच दशकों से भी ज्यादा समय तक वह सत्ता में रहे हों, या विपक्ष में, प्रदेश की राजनीति उनके आसपास घूमती रही है। केंद्र में जब गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ तब किंगमेकर की भूमिका में उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित किया, लेकिन अपने को प्रदेशकी राजनीति तक ही सीमित रखा। प्रधानमंत्री पद की दौड़ में कभी शामिल नहीं हुए। शायद इस तय से वाकिफ थे कि हिंदी विरोधी छवि के कारण उत्तर भारत उन्हें कभी स्वीकार नहीं करेगा। लेकिन द्रविड़ आंदोलन के साथ–साथ राज्यों की स्वायत्तता के लिए उन्होंने जो संघर्ष किया, उसे शायद ही कोई भूल पाएगा। जाहिर है कि ऐसे कद्दावर नेता के जाने से उनकी पार्टी द्रमुक और प्रदेश की राजनीति दोनों नेतृत्वविहिन हो गई है। दक्षिण भारत की राजनीति करिश्माई नेताओं से संचालित होती रही है। एमजी रामचंद्रन, जयललिता, एनटी रामाराव, राजकुमार, करुणानिधि अपने चमत्कारिक नेतृत्व से प्रदेश की जनता के बीच हमेशा लोकप्रिय रहे हैं। तमिलनाडु में जयललिता और करुणानिधि के निधन से द्रमुक और अन्नाद्रमुक दोनों क्षेत्रीय पार्टियों का आंतरिक और बाह्य ढांचा चरमरा गया है। हालांकि अभी वहां अन्नाद्रुमक की सरकार है, मुख्यमंत्री पलानीसामी जयललिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन आगामी लोक सभा के चुनाव में वह अपनी पार्टी को कितना आगे बढ़ा पाते हैं, कहना मुश्किल है। करुणानिधि के दोनों बेटे अलगिरी और स्टालिन में सत्ता संघर्ष पिता के जीवित रहते ही शुरू हो गया था। इन दोनों का व्यक्तित्व भी पिता की तरह करिश्माई नहीं है कि आम जनता के दिलों में अपनी जगह बना सकें। अभी यह कहना मुश्किल है कि स्टालिन अपने बड़े भाई अलगिरी को कब तक साथ लेकर चल पाते हैं। करुणानिधि के बाद द्रमुक एकजुट रह पाएगा या नहीं, यह भी एक बड़ा सवाल है, जिसका जवाब आने वाले दिनों में ही मिल पाएगा। हाल ही में तमिलनाडु की राजनीति में दो फिल्मी हस्तियां रजनीकांत और कमल हासन की इंट्री हुई है। इन दोनों के समर्थकों की तादाद बड़ी संख्या में हैं, और इनका व्यक्तित्व भी करिश्माई है। लेकिन राजनीति में इनकी परीक्षा अभी होनी है। कमल हासन और रजनीकांत क्षेत्रीय चेहरा हैं, अब देखना है इनके साथ कौन जाता है।

महागठबंधन करती विपक्षी एकता तार–तार

राजनीति इस मुकाम पर पहुंच गई है, जहां यह स्थायी नहीं है कि कौन सत्ता पक्ष है और कौन विपक्ष है। उप सभापति के ताजा चुनाव में दलों और सदस्यों की जो स्थिति थी, उसमें यह कहा जा सकता है कि सत्तारूढ़ खुद को संगठित रखने और विरोधी पार्टियों में से ज्यादातर के बीच सेंध लगाने में कामयाब होने का भरोसा रखती है। वहीं विरोधी पार्टियों के बीच एक मजबूत केन्द्र बिंदु नहीं है। इनमें ज्यादातर के लिए कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी भी है और वह सहयोगी भी बन सकती है। यह दुविधा विपक्ष की साफ तस्वीर नहीं बनने दे रहा ऊपरी सदन राज्य सभा के अब तक 12 उपसभापति हुए हैं और इनमें पांच बार चुनाव भी हुए हैं। इन पांच बार में तीन बार बकायदा मतदान हुए और दो बार सदस्यों ने हाथ उठाकर अपनी पसंद के उम्मीदवार के पक्ष में मत किया। लेकिन 13वें उपसभापति का चुनाव दूसरे चुनावों की तरह के वातावरण में हुआ। राजनीति में यह संस्कृति तेजी से विकसित हुई है कि देश में हर वक्त चुनाव का माहौल लगता है। फिर जब किसी स्तर पर चुनाव होता है तो वह देश स्तर के चुनाव में दिखाये जाने लगता है। स्थानीय निकायों के चुनाव भी इसी नई राजनीतिक संस्कृति के रंग में दिखाया गया है। इसकी एक वजह तो सूचना तकनीक का समाज में हस्तक्षेप का तेजी से विस्तार होना है। दूसरा, राजनीतिक स्थितियों में आया बदलाव है। देश की राजनीति में पुराने सारे मूल्य, परंपराएं और सपने बिखराव के दौर में हैं और नई संरचना को लेकर उथल–पुथल मचा हुआ हैं। इसीलिए यह भी निश्चियपूर्वक नहीं कहा जा सकता कि सत्ता पक्ष कौन है और सत्ता का विपक्ष कौन है। राज्य सभा के उप सभापति के चुनाव में भी राजनीतिक उथल–पुथल के सारे चिह्न देखने को मिलते हैं। राज्य सभा में इस बार सर्वसम्मति से उप सभापति के चुनाव के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं दिखाई दिया। केन्द्र में सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी और उसके नेतृत्व में चलने वाला गठबंधन लगातार राज्य सभा में अपना बहुमत कायम करने की कोशिश में लगा रहा हैय क्योंकि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लोक सभा चुनाव में पहली बार भाजपा बहुमत से ज्यादा सीटों को जीतने में कामयाब हुई लेकिन उसके अपने राजनीतिक उद्देश्यों की अबाध गति को राज्य सभा में रुकते देखा गया क्योंकि वहां सबसे बड़ी पार्टी के रूप में कांग्रेस बनी रही है और समय–समय पर विभिन्न पार्टियों के मिलने से बनने वाले विपक्ष का बहुमत रहा है। सभापति देश के उपराष्ट्रपति होते हैं, लेकिन उसके बाद उप सभापति संसद के संचालन में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। कांग्रेस के पीजे कूरियन के कार्यकाल के खत्म होने के बाद राज्य सभा के नये उपसभापति के बारे में यह कहना बेहद मुश्किल था कि कौन सा पक्ष इस पद को हासिल करेगा। कांटे का टक्कर दिखाई दे रहा था। इसीलिए नामांकन के पहले तक यह कहना मुश्किल हो रहा था कि कौन उम्मीदवार होगा। भाजपा अपना उम्मीदवार खड़ा करने के बजाय अपने सहयोगी दल जनता दल यू को यह पद देने पर राजी हो गई है, यह बात बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के बीच अगामी लोक सभा चुनाव के

लिए हुई कुछ महत्त्वपूर्ण सहमतियों में एक है। नीतीश कुमार के सामने एक नाम कहकशां परवीन का था, जो राज्य सभा को संचालित करने वाले पैनल में भी नाम था और वे लगातार राज्य सभा की कार्यवाहियों का संचालन कर रही थीं। लेकिन नीतीश कुमार ने अपने बेहद भरोसे के पूर्व पत्रकार हरिवंश नारायण सिंह को मैदान में उतारने का फैसला किया।

राज्य सभा में कांग्रेस का वर्चस्व रहा है और अब तक जो उप सभापति हुए हैं, उनमें 1969 से 1977 के बीच केवल दो उप सभापति गैर कांग्रेसी हुए हैं। 1969 में पहली बार आर पी आई के बी डी खोब्रागड़े उप सभापति चुने गए थे। हरिवंश तीसरे ऐसे उम्मीदवार बने जो कि गैर कांग्रेस उम्मीदवार माने जा सकते हैं। भाजपा अपने गठबंधन के सदस्य जद यू को तो उम्मीदवार बनाने पर सहमति जाहिर कर दी लेकिन कांग्रेस के लिए यह तय करने में मुश्किलें होती रहीं कि वह अपने उम्मीदवार को चुनाव मैदान में उतारे यह सत्ता पक्ष के विरोध में खड़ी पार्टियों में से किसी क्षेत्र राज्य विशेष में सक्रिय राष्ट्रीय पार्टी के उम्मीदवार को मैदान में उतारें। हरिवंश का नाम आने के साथ एनसीपी, डीएमके और बीजू जनता दल के किसी सदस्य को उम्मीदवार बनाने की चर्चाएं सुनाई दीं, लेकिन आखिरकार कांग्रेस ने अपने सदस्य बी के हरिप्रसाद को उम्मीदवार घोषित कर दिया। कांग्रेस के उम्मीदवार को जहां 101 मत मिलें वहीं सत्तारूढ़ पक्ष को 125 मत हासिल हो गए। यानी 245 सदस्यों में केवल 226 सदस्यों के बीच ही यह चुनाव हुआ। स्थानीय निकाय के चुनावों में यह आमतौर पर देखने को मिला है कि आखिर नगरपालिका का चौयरमैन कौन हो सकता है। यह अनुमान ही लगाया जा सकता हैय क्योंकि वार्ड कमीश्नर किस उम्मीदवार के पक्ष में किस तरह के आकर्षण या किस बात के दबाव, या किस तरह के इरादों को लेकर अपना रु ख जाहिर करेगा, यह केवल हरेक वार्ड कमीश्नर को ही पता हो सकता है। लगभग यही स्थिति भारतीय राजनीति में देखने को मिल रही है।

जहां व्हीप के उल्लंघन की वजह से सदस्यता जा सकती है, यह डर जब तक नहीं होता है, संसद सदस्यों के रुख के बारे में भी कहना मुश्किल होता है। रास उप सभापति के चुनाव में सदस्यों और दलों के बीच ऐसी ही अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई थी। इसके कुछ उदाहरणों को देखना हो तो बीजू जनता दल के फैसले को देखा जा सकता है जो जद यू के उम्मीदवार के पक्ष में यह बताकर मत करने पर सहमति दे दी कि वह भी 1974 के जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से पार्टी निकली है। तेलंगाना की सत्तारूढ़ पार्टी कल तक तीसरा मोर्चा बनाने के लिए आवाज लगा रही थी वह सत्तारूढ़ गठबंधन के पक्ष में मत देने पर राजी हो गई। जो शिव सेना लोक सभा में अविास प्रस्ताव पर मत के दौरान सदन से बाहर हो गई, वह सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने में सक्रिय हो गई। यहां तक कि कश्मीर में पीडीपी जो भाजपा के साथ राज्य सरकार में बनी हुई थी और भाजपा ने अचानक अपना समर्थन वापस लेकर कश्मीर में उसकी सरकार गिरा दी थी, वह पीडीपी भी उपसभापति के लिए हुए मतदान से खुद को बाहर रखने का फैसला किया। समाजवादी पार्टी के जो सदस्य चाहते थे वे भी विरोध में मतदान करने से बेहतर खुद को मतदान से बाहर रखकर सत्तापक्ष के उम्मीदवार को मदद कर दी। राजनीति इस मुकाम पर पहुंच गई है, जहां यह स्थायी नहीं है कि कौन सत्ता पक्ष है और कौन विपक्ष है। उप सभापति के ताजा चुनाव में दलों और सदस्यों की जो स्थिति थी, उसमें यह कहा जा सकता है कि सत्तारूढ़ खुद को संगठित रखने और विरोधी पार्टियों में से ज्यादातर के बीच संेध लगाने में कामयाब होने का भरोसा रखती है। वहीं सत्तारूढ़ दलों के मुकाबले खड़ी पार्टियों के बीच एक मजबूत केन्द्र बिंदु नहीं है। इन पार्टियों में ज्यादातर के लिए कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी भी है और वह सहयोगी भी बन सकती है। यह

उपसभापति का चुनाव

राज्य सभा उपसभापति का चुनाव शायद ही कभी इतना प्रचार पाया हो। किंतु राज्य सभा में भाजपा एवं राजग की बहुमतविहीनता को देखते हुए आम कल्पना यही थी कि इनके लिए अपने उम्मीदवार को जिताना संभव नहीं होगा। विपक्ष पहले काफी उत्साहित था। जिस तरह के बयान आ रहे थे, उनसे ऐसा लगा था कि विपक्ष इस अवसर को नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चाबंदी के एक बड़े अवसर में परिणत करने की रणनीति पर काम कर रहा है। ऐसा नहीं है कि कोशिशें नहीं हुई। कांग्रेस के नेताओं से लेकर राकांपा आदि के नेताओं ने भाजपा इतर दलों को साथ लाने की पूरी कोशिश की। यहां तक कि शिवसेना को भी विपक्षी पाले में ले आने के पासे फेंके गए। चुनाव के तीन दिनों पहले तक गणित विपक्ष की ओर झुका नजर आ रहा था। किंतु सब कुछ पलट गया। कांग्रेस के उम्मीदवार को उतने वोट भी न मिले जितनी उम्मीद थी। ऐसा ही लोक सभा में लाए गए अविास प्रस्ताव के

दौरान भी हुआ था। वैसे देखा जाए तो यह एक सामान्य सी चुनावी प्रक्रिया थी। उपसभापति की भूमिका सभापति की अनुपस्थिति में सदन के संचालन की होती है। पर महत्त्वपूर्ण अवसरों पर पीठासीन अधिकारी का महत्त्व बढ़ जाता है। इसलिए सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों चाहता है कि उसका उम्मीदवार इस पद पर चुना जाए। इस नाते देखें तो राजग के लिए यह विजय अहम है। यह वर्तमान राजनीतिक परिवेश की दृष्टि से भी काफी महत्त्व रखता है। अगर विपक्ष जीत जाता तो इसे 2019 के आम चुनाव के पूर्व विपक्षी मोर्चाबंदी की एक बड़ी सफलता के रूप में प्रचारित किया जाता। यह बताया जाता कि मोदी के खिलाफ सभी एक साथ है। ऐसा अवसर नहीं आया तो साफ है कि सत्तारूढ़ घटक की यह राजनीतिक विजय है। यह फिर एक बार साफ हुआ है कि विपक्षी एकता की बातें जितनी की जाए, लेकिन इसे साकार करना आसान नहीं है। बीजू जनता दल एवं तेलांगना राष्ट्र समिति द्वारा राजग उम्मीदवार का समर्थन करना और आप सहित कुछ पार्टियों का मतदान से अलग रहना विपक्ष का बिखराव ही तो है। कांग्रेस को मंथन करना चाहिए कि उससे बार–बार चूक कहां हो रही है? हालांकि किसी भी सदन के उपसभापति के चुनाव को राजनीतिक रंग मिलना ही नहीं चाहिए। जैसे वह पद गरिमा वाला है, वैसे ही चुनाव भी गरिमामय हो।

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के बयान पर बेवजह विवाद

चंद दिनों पहले तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने भारत के बंटवारे के लिए जवाहरलाल नेहरू को जिम्मेदार बता कर एक अनावश्यक विवाद पैदा कर दिया है। दलाई लामा का कहना है कि गांधी जी मोहम्मद अली जिन्ना को भारत का प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार थे, लेकिन नेहरू को यह स्वीकार नहीं था, जिसके चलते देश का बंटवारा हुआ। वैसे यह कोई पहली बार नहीं है, जब भारत के बंटवारे के लिए नेहरू को जिम्मेदार बताया जा रहा है। सच तो यह है कि आजादी के बाद से ही अनेक संगठन और लोग, जिसमें कतिपय देशी–विदेशी विद्वान भी शामिल हैं, बंटवारे का ठिकरा नेहरू के सर पर फोड़ते रहे हैं। यह अलग बात है कि किसी ने भी अंतिम रूप से इसे सिद्ध नहीं किया है। जितने भी तर्क और तय दिए जाते हैं, वे विश्लेषणात्मक और बात से बात निकालने की कवायद ही नजर आते हैं।दलाई लामा का ताजा बयान इस भोजपुरी कहावत को चरितार्थ करते नजर आता है कि ''जेकरा खातिर चोरी कइलीं उहे कहे चोरा' यानी जिसके लिए चोरी की वही अब चोर बता रहा है। आज दलाई लामा की जो हैसियत है, वह मूल रूप से नेहरू की समझदारी और दया का ही प्रतिफल है। बहरहाल, दलाई लामा के बयान को दो स्तरों पर परखने की जरूरत जान पड़ती है तयात्मक और राजनीति जन्य। प्रथम नजर में उनका बयान उस राजनीति का हिस्सा नजर आता है, जिसके अंतर्गत नेहरू को एक खलनायक के रूप में तब्दील करने की साजिश भरी कोशिश चल रही है। वैसे आजादी के पहले से ही कतिपय संगठन इस कोशिश में जुटे हुए हैं।

संघ परिवार इस कोशिश का प्रथम और प्रबल प्रणोता रहा है। चूंकि पिछले चार साल से देश की सत्ता पर उसी के राजनीतिक फ्रंट यानी भारतीय जनता पार्टी काबिज है, इसलिए शरणार्थी के रूप में रह रहे दलाई लामा को कई कारणों से आज उसकी ज्यादा जरूरत हो सकती है और है भी। ऐसे में यदि कोई कहता है कि ताजा बयान के पीछे दलाई लामा का मकसद वर्तमान सरकार की सदिच्छा और सहयोग पाने की मंशा से दिया गया है, तो उसे क्योंकर गलत करार दिया जा सकता है। वैसे भी दलाई लामा कोई इतिहासकार नहीं हैं कि उनकी बात को ज्यादा तवज्जो दी जाए। बेहतर होगा कि वह केवल दलाई लामा ही बनें रहें। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि महात्मा गांधी ने 1 अप्रैल, 1947 को तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन को कहा था कि वह जिन्ना को प्रधानमंत्री बनाए जाने का प्रस्ताव दिए थे, जिसे सुनकर स्वयं माउंटबेटन भी स्तब्ध थे। लेकिन साथ में उन्होंने यह शर्त भी जोड़ी थी कि उनकी अगुआई में केवल मुस्लिम लीग सरकार बनाए और उसमें कांग्रेस शामिल नहीं होगी, वह केवल सहयोग करेगी। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सबसे पहले इस प्रस्ताव को स्वयं जिन्ना ने ही खारिज किया था। जहां तक नेहरू की बात है, तो उनकी आपत्ति इस बात पर थी कि मुस्लिम लीग देश के सभी मुसलमानों की प्रतिनिधि पार्टी होने का दावा नहीं कर सकती। इतना ही नहीं, लोकतंत्र में बहुसंख्यक लोगों के आग्रह को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है? सबसे महत्त्वपूर्ण बात तो यह है कि कांग्रेस के किसी भी नेता को यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं था। ऐसे में केवल नेहरू को बंटवारे के लिए जिम्मेदार बताना सच कैसे हो सकता है? मोहम्मद अली जिन्ना जानते थे कि फौरी तौर पर वह प्रधानमंत्री बन तो सकते हैं, लेकिन वह उनके लिए अपने ही वादे से मुकरने जैसा होता। वह यह भी जानते थे कि यदि वह प्रधानमंत्री का पद स्वीकार करने के लिए तैयार हो भी जाते हैं, तो मुस्लिम लीग उनके इस कदम का समर्थन नहीं करेगी, क्योंकि अब तक जिन्ना लीग को अलग पाकिस्तान का स्वप्न इतना ज्यादा दिखा चुके थे, कि वह भारत में रहने के उनके निर्णय को स्वीकार नहीं करती।

जिन्ना से सहानुभूति रखने वाले यह भी बताते हैं कि उन्होंने मुसलमानों के लिए अधिक रियायत पाने के लिए बंटवारे का शिगूफा छेड़ा था, लेकिन ऐतिहासिक तय उनकी इस बात की कतई पुष्टि नहीं करते। जिन्ना या उनके किसी नजदीकी व्यक्ति के किसी भी भाषण, पत्र, डायरी या दस्तावेज में इस बात का कोई जिक्र नहीं मिलता कि पाकिस्तान के नाम पर देश के बंटवारे की उनकी मांग केवल शिगूफा था। इसके उलट इस बात के अनेक प्रमाण हैं कि उनका उद्देश्य मुसलमानों के लिए एक अलग देश का निर्माण करना था। कुछ विद्वान यह भी बताते हैं कि यदि नेहरू ने 1946 में मुस्लिम बहुल क्षेत्रों को अधिक स्वायत्तता प्रदान करने एवं कमजोर केंद्रीय सरकार गठित करने की मांग मान ली होती, तो बंटवारे को रोका जा सकता था। इस तर्क से दो सवाल उठते हैं। पहला तो यह कि तत्कालीन राष्ट्रीय और भू–राजनीतिक स्थितियों के मद्देनजर केंद्र में एक कमजोर सरकार व्यावहारिक था? दूसरा कि तत्कालीन परिस्थितियों में अधिक स्वायत्तता प्रदान करने के बाद क्या देश की अखंडता के लिए खतरे की आशंका नहीं उभरती?

इन दोनों सवालों का उत्तर यही हो सकता है कि ऐसा करना न तो व्यावहारिक था और न वांछनीय। मालूम हो कि इन तमाम निर्णयों में कांग्रेस ही नहीं, गांधी जी भी पूरी तरह नेहरू के साथ थे। जहां तक मुस्लिम लीग की बात है, तो वह शुरू से ही मुसलमानों के लिए एक अलग राष्ट्र की रूपरेखा बनाने में जुटा हुआ था। उसने 1940 में ही कांग्रेस के सामने एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें आजादी के बाद भारत के बंटवारे की योजना बताई थी। जहां तक कांग्रेस की बात है, तो यह सत्य है कि उसने मुसलमानों की चिंता दूर करने का कभी विशेष प्रयास नहीं किया। सर्वविदित है कि कांग्रेस के भीतर भी हिन्दुवादियों का एक सशक्त समूह था, जो मुसलमानों से नफरत करता था। कांग्रेस आंदोलन के मुहावरे और व्यवहार दोनों ही हिन्दू समर्थक परिलक्षित होते रहे। इसे जिन्ना समेत कई मुस्लिम नेताओं ने रेखांकित किया है, लेकिन आजादी की आड़ में इस विरोधाभास को समाप्त करने की कोई कोशिश नहीं की गई। सच तो यह है कि देश के बंटवारे के लिए मूल रूप से हिन्दुओं और मुसलमानों के अभिजात्य तबके में एक–दूसरे के लिए अविास ही जिम्मेदार था, जिसे मुस्लिम लीग, हिन्दू सभा और अन्य कम्युनल संगठन लगातार बढ़ाते रहे थे। दोनों तबके का अभिजात्य वर्ग अपने लिये सुरक्षित सत्ता केंद्र की चाहत रखता था। 16 अगस्त, 1946 में जिन्ना द्वारा किए गए डाइरेक्ट एक्शन डे के आह्वान के बाद, जिसमें सिर्फ तीन दोनों के अंदर ही 5000 लोग मारे गए, मुस्लिम लीग और कांग्रेस के बीच समझौते की सारी गुंजाइश जाती रही। अविास और हिंसा से बचने का अब एक ही रास्ता रह गया था और वह था देश का बंटवारा।

नये संविधान को मंजूरी

सुप्रीम कोर्ट ने कुछ बदलावों के साथ भारतीय क्रि केट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नये संविधान को मंजूरी दे दी है। इससे लगता है कि जल्द ही नये पदाधिकारियों के साथ बीसीसीआई काम करती नजर आ जाएगी। लोढ़ा समिति की कुछ सिफारिशों को लेकर बीसीसीआई और राज्य क्रि केट एसोसिएशनों में विरोध के स्वर उठते रहे थे। इसमें खासतौर पर एक राज्य एक मत, कूलिंग ऑफ पीरियड और पदाधिकारियों की उम्र की सीमा शामिल थे। इनमें से एक राज्य और एक मत को पलटकर मुंबई, विदर्भ, सौराष्ट्र, बड़ौदा के साथ रेलवे और सेना को मत का अधिकार दे दिया गया है। इसके अलावा, कूलिंग ऑफ पीरियड को एक कार्यकाल के बजाय दो कार्यकाल के बाद कर दिया गया है।

इससे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट ने अगर यह बातें जुलाई 2016 में लोढ़ा समिति की सिफारिशें स्वीकार कर लेने के समय ही मान ली गई होतीं तो विनोद राय की अध्यक्षता वाली प्रशासकों की समिति को इतने लंबे समय तक रखने की जरूरत ही नहीं पड़ती। पूर्व चीफ जस्टिस आरएम लोढ़ा ने उनकी सिफारिशों में किए बदलावों पर नाखुशी जाहिर की है। वह कहते हैं कि जब कोर्ट ने सिफारिशें स्वीकार कर लीं और इन्हें लागू कराने के लिए समिति भी बना दी गई तो इसके दो साल बाद सिफारिशों में बदलाव करना उचित नहीं लगता। बिहार क्रि केट एसोसिएशन के सचिव आदित्य वर्मा द्वारा अगस्त 2013 में आईपीएल में भ्रष्टाचार को लेकर दायर याचिका का यह परिणाम है। इस याचिका के बाद सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस मुकुल मुद्गल की अध्यक्षता में कमीशन का गठन किया। इसकी जांच से बीसीसीआई में हितों का टकराव बड़ी बीमारी दिखी और पारदर्शिता की कमी भी पाई गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने लोढ़ा की अध्यक्षता में कमीशन का गठन किया। इसकी सिफारिशें को स्वीकार करने के बाद कोर्ट ने बीसीसीआई और राज्य एसो. को इन्हें लागू करने के लिए दो समय सीमाएं दीं। दोनों मौकों पर समस्या का कोई हल नहीं निकलने पर 30 जनवरी को तीन सदस्यीय प्रशासकों की समिति का गठन कर दिया। पर इस समिति के गठन के बाद भी बीसीसीआई और राज्य क्रि केट एसो. का कुछ सिफारिशों पर एतराज बना रहा। नया संविधान लागू होने से मौजूदा कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना, सचिव अमिताभ चौधरी और कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी की वापसी असंभव है। सही है कि बीसीसीआई में नये पदाधिकारी दिख सकते हैं पर इससे भी जरूरी काम करने के ढंग में बदलाव आना है।

जलयान से हो सकेगा तीर्थ

नागर विमानन मंत्रालय द्वारा देश में जलाशयों में हवाई अड्डे और यान अड्डे बनाने के प्रस्ताव को स्वीकार करना निश्चय ही महत्त्वपूर्ण घटना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के तीर्थस्थानों एवं पर्यटन स्थलों के लिए विशेष यातायात सुविधा की बात लंबे समय से कर रहे हैं। पहले उन्होंने इसके लिए विशेष रेल एवं बसों की बात की, जिनमें कुछ आरंभ भी हो चुके हैं। एम्फीबियन यानी जल एवं हवा दोनों में उड़ान भरने वाले जहाजों के परिचालन की योजना भी उन्हीं के मस्तिष्क की उपज है। कुछ समय पहले तक इसे कल्पना मानने वालों को उत्तर देने के लिए उन्होंने गुजरात चुनाव के पूर्व स्वयं ऐसे जहाज से एक यात्रा की थी। तब से माना जा रहा था कि इस संबंध में जल्द ही घोषणा होगी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस संबंध में पिछले जून में ही नियमन जारी किया था, जिसमें जलाशयों में बने एयरोड्रम के लाइसेंस की जरूरतों एवं प्रक्रियाओं का जिक्र किया गया था। इस क्षेत्र में व्यापार की कितनी संभावनाएं हैं, कितने लोग

एम्फीबियन विमानों से यात्रा करना पसंद करेंगे, इसके बारे में कोई निश्चित आंकड़ा नहीं है, इसलिए इसकी शुरु आत प्रयोग के तौर पर ही होगी। नदियों, झीलों एवं समुद्री स्थलों से जुड़े तीर्थस्थानों और पर्यटन स्थलों पर ही यह सेवा संभव है इसलिए उन्हीं जगहों पर हवाई अड्डे बनेंगे। प्रायोगिक तौर पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने इसके ओडिशा, गुजरात, असम, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में जगहों की पहचान पहले ही कर ली है। पहले चरण में ओडिशा में चिलका झील और गुजरात में सरदार सरोवर बांध और साबरमती रिवर फ्रंट पर इनके लिए हवाई अड्डे बनेंगे। जब तक हवाई अड्डों और विमान अड्डों का निर्माण होकर इसका परिचालन आरंभ नहीं होता तब तक इसकी पूरी रूपरेखा स्पष्ट नहीं होगी। स्वाभाविक ही जलाशय में बने एयरोड्रम के लिए आवेदन करने वाले किसी भी निकाय को रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और नौवहन मंत्रालय समेत विभिन्न प्राधिकरणों की मंजूरी लेनी होगी और इसमें भी समय लगेगा। किंतु है यह अत्यंत ही आकर्षक योजना। बहुत सारे यात्री इस सेवा का लाभ उठाना चाहेंगे। इससे समय की भी बचत होगी और सड़क मार्ग यातायात से भीड़ कम होगी। वैसे भी नागर विमानन मंत्रालय उड़ान योजना के तीसरे चरण के तहत सीप्लेन का परिचालन शुरू करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। यह एक प्रकार से उसी की शुरुआत होगी।

अस्वीकार्य व्यवहार

ब्रिटिश एटरवेज ने दो भारतीयों के साथ जिस तरह का व्यवहार किया वह बिल्कुल अस्वीकार्य है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने नागर विमानन मंत्री सुरेश प्रभु से शिकायती पत्र में जो कुछ कहा है, उससे न केवल मन द्रवित होता है बल्कि गुस्सा भी पैदा होता है। तीन साल का बच्चा रो रहा हो तो माता–पिता उसे चुप कराने की कोशिश करेंगे। इसमें ऐसा क्या अस्वाभाविक हो गया, जिससे विमान के कर्मचारी ने अन्यथा ले लिया? दरअसल, बच्चे की सीट अलग हो जाने से वह अकेले रोने लगा तो मां ने अपने साथ बिठा लिया। बावजूद वह रोता रहा। विमान कर्मचारी ने धमकी दी कि यदि यह चुप नहीं हुआ तो आपको उतार देंगे बल्कि ऐसा ही किया। आगे बढ़ चुके विमान को वापस रनवे पर लाया गया और इन्हें उतार दिया गया। इनके साथ एक अन्य भारतीय अधिकारी के परिवार को भी इसलिए उतार दिया गया, क्योंकि उन्होंने अपने रोते बच्चे को शांत कराने के लिए एक बिस्कुट दे दिया था। क्या विमान के उस कर्मी के अंदर भारतीय को लेकर कोई

नस्लवादी भावना थी? सामान्य मनोभाव वाला कोई भी कर्मचारी इस तरह का बुरा बर्ताव नहीं कर सकता। उसने पुलिस तक को बुला लिया और पुलिस ने भी इन दोनों परिवारों की एक न सुनी। धक्के देकर इन्हें जबरन विमान से बाहर किया गया और बोर्डिंग पास तक छीना गया। खैर, जैसा सुरेश प्रभु ने कहा है सरकार के स्तर पर यह मसला उठाया गया है। मामला ब्रिटिश एयरवेज के प्रबंधन तक पहुंच चुका है। किंतु इसे यूं ही नहीं जाने दिया जा सकता। यह देश की प्रतिष्ठा का सवाल है। भारत के एक भी निदरेष, निरपराध नागरिक को कहीं अपमानित किया जाता है, उसे उसके अधिकारों से वंचित किया जाता है, परेशान किया जाता है तो यह उस व्यक्ति का नहीं देश का मसला हो जाता है। भारत ऐसा कमजोर देश भी नहीं, जिसके नागरिकों के साथ र्दुव्यवहार किया जा सके। भारत की छवि केवल अपने लिए नहीं विश्व समुदाय के हर एक व्यक्ति की गरिमा की रक्षा के लिए आवाज उठाने वाले देश की रही है। यह तो हमारे नागरिक का प्रश्न है। इसलिए ब्रिटिश एयरवेज को हर्जाना देने से लेकर, सार्वजनिक क्षमा याचना और संबंधित कर्मचारी को दंडित करने के लिए विवश किया जाना चाहिए।

प्रदेश कार्यसमिति में योगी के कामों की जमकर तारीफ

मेरठ । भाजपा कार्यसमिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार को बधाई देते हुए कहा कि मौजूदा नेतृत्व ने कुशल कार्यशैली की बदौलत उत्तर प्रदेश को गरीबी, अनिश्चितता के दलदल से न सिर्फ उबारा, बल्कि कानून व्यवस्था में अप्रत्याशित सुधार की बदौलत यह राज्य निवेशकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना। कार्यसमिति ने रविवार को एक प्रस्ताव पारित कर कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में किसानों की समस्याओं का समाधान हुआ, जिससे उनके चेहरों पर मुस्कान आई। इसके साथ ही प्रदेश में रोजगार के नए अवसर पैदा करने में सरकार को अपेक्षित सफलता हासिल हुई। प्रस्ताव में कहा गया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में राज्य सरकार ने लोकतांत्रिक मूल्यों को और मजबूती प्रदान की, जिससे आम जनमानस की आवाज और मुखर हुई। प्रस्ताव को पार्टी के प्रदेश सचिव विद्यासागर सोनकर ने प्रस्तुत किया जिसे उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा और अन्य ने अनुमोदन किया। प्रस्ताव में पेश विभिन्न सदस्यों के 142 सुझावों में से अधिकतर ध्वनि मत से पारित हो गए। पार्टी नेताओं ने एक सुर में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य को विकास के पथ पर अग्रसर करने में महती भूमिका निभाई। प्रस्ताव में कहा गया कि सरकार ने गरीबों को दवा, नौजवानों को रोजगार, किसानों को सिंचाई की सुविधा और छात्रों को शैक्षिक सुविधायें उपलब्ध कराई।

एम.के. अलागिरी ने किया दावा कहा- द्रमुक के 'सच्चे वफादार' मेरे साथ

चेन्नई। पूर्व केंद्रीय मंत्री एम. के. अलागिरी ने सोमवार को दावा किया कि उनके पिता और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के दिवंगत अध्यक्ष एम. करुणानिधि के 'सच्चे वफादार' उनके साथ हैं। अलागिरी ने यहां मरीना बीच पर अपने पिता के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की और पत्रकारों से कहा कि उन्होंने पिता को पार्टी के बारे में अपनी व्यथा से अवगत कराया था।

अलागिरी को पार्टी नेताओं की आलोचना करने के लिए 2014 में पार्टी से बाहर निकाल दिया गया था। उन्होंने कहा कि उनकी पीड़ा पार्टी को लेकर थी, न कि परिवार को लेकर थी। लोग सही समय आने पर पूरी कहानी को जानेंगे। अलागिरी ने मंगलवार को होने वाली द्रमुक कार्यकारिणी समिति बैठक के बारे में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि वह अब पार्टी में नहीं हैं। अलागिरी द्रमुक के शीर्ष पद पर काबिज होना चाहते थे, लेकिन उनके पिता करुणानिधि ने अलागिरी के स्थान पर अपने दूसरे बेटे एम.के. स्टालिन को तरजीह दी।

डीजीपी ने लगाई अफसरों को जम कर फटकार

लखनऊ। डीजीपी ओपी सिंह ने शुक्रवार को एक अनोखी पहल (पदपजपंजपअम) की शुरुआत की। जिसके अंतर्गत उन्होंने पहली बार बंद कमरे की जगह मुख्यालय के बरामदे में सैनिक सम्मेलन बुलाया। इस दौरान सभी उन अफसरों को जमकर फटकर पड़ी जो शिकायत पत्रों को अनदेखा कर देते हैं। डीजीपी लापरवाह अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करने को तैयार हैं।

जानकारी के मुताबिक, डीजीपी ओपी सिंह ने लखनऊ में पहली बार बंद कमरे की जगह मुख्यालय के बरामदे में सैनिक सम्मेलन बुलाया। इस दौरान दारोगा और सिपाहियों की फरियाद न सुनने वाले अफसरों को शुक्रवार को आमने–सामने बैठा कर डीजीपी ने विभागीय जनसुनवाई की।

शिकायतों और प्रार्थनापत्रों को दबाकर बैठे अफसरों और सेक्शन ऑफिसर को डीजीपी ने फटकार लगाई और शिकायतें जल्द निचले स्तर पर काम करने वाले पुलिसकर्मियों की समस्याओं को डीजीपी तक पहुंचाया जा सके।

निपटाने को कहा।

इसीलिए आयोजित होते हैं ये सम्मेलन

ऐसे सम्मेलन इसीलिए आयोजित किये जाते हैं ताकि इस कार्यक्रम के दौरान डीजीपी ने उन अफसरों पर भी फटकार लगाया जो दारोगा और सिपाहियों की समस्याओं पर ध्यान न देकर उसे अनदेखा कर देते हैं।

खरीदार बनकर आये लुटेरे ने टेंट व्यवसायी की चेन लूटी

लखनऊ। आशियाना के पॉवर हाउस चौराहा पर रविवार सुबह मेज खरीदने के बहाने आए लुटेरे ने टेण्ट व्यवसायी की चेन लूट ली। पीड़ित शोर मचाते हुए पीछे दौड़ा तो लुटेरा पल्सर सवार साथी संग फरार हो गये। लुटेरों की करतूत कैमरे में कैद हो गयी। सूचना के बाद भी कई घण्टों तक पुलिस के न पहुंचने पर आक्रोशित व्यापारी थाने पहुंचे।

पुलिस ने समझा–बुझाकर शांत किया। टेण्ट व्यवसायी दिनेश अग्रवाल का आशियाना पॉवर हाउस चौराहा स्थित राजश्री प्लाजा में टेण्ट हाउस की दुकान है। उनका कहना है कि रविवार सुबह करीब पौने ग्यारह बजे दुकान पर आए युवक ने मेज खरीदने की बात कही। दिनेश मेज न बेचने व किराए पर देने की बात बता रहे थे, तभी तेज बारिश होने लगी। इसी दौरान युवक किसी से मोबाइल पर बात करने लगा। मौका देख लुटेरे ने दिनेश की चेन पर हाथ मारा और बाहर पल्सर सवार साथी संग बैठकर कानपुर रोड की ओर भाग निकला। दिनेश शोर मचाते हुए पीछे दौड़े लेकिन बदमाश फरार हो गया। दिनेश ने बिना देर किये लूट की सूचना डायल 100 पर दी। पीड़ित ने प्लाजा के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तो लुटेरे की करतूत कैद मिली। पुलिस के न आने पर पीड़ित ने फुटेज निकलवायी और आशियाना थाने पहुंचे। सूचना पर पुलिस के न आने पर आक्रोशित दर्जनों व्यापारी थाने पहुंचे और अपना विरोध दर्ज कराया। पुलिस ने लूट की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

नक्सली हमला : फर्जी मुठभेड़ की याचिका पर अदालत ने मांगा सबूत

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने आज उस याचिका पर सुनवाई की जो एक याचिकाकर्ता द्वारा सुकमा नक्सली हमले को लेकर दायर की गई थी. बता दे कि बीते दिनों जवानों ने एक ही दिन मुठभेड़ में 15 नक्सलियों को ढेर कर दिया था, साथ ही पुलिस के साथ एक 5 लाख का नक्सली भी लगा था. हालांकि एक व्यक्ति ने इस एनकाउंटर को फर्जी बताया और उसने इसके खिलाफ याचिका दायर कर दी. जिसमे उसने कहा कि नक्सलियों और जवानों के बीच की यह मुठभेड़ झूठी है.

याचिकाकर्ता की इस याचिका पर आज शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि किस प्रकार के साक्ष्य या सबूत यह साबित करते है कि यह एक फर्जी या जाली मुठभेड़ थी. इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता नारायण राव से एक हलफनामा दाखिल किए जाने के लिए कहा है.

गौरतलब है कि 6 अगस्त को सुकमा के आंतरिक क्षेत्र में नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ हुई थी. इस मुठभेड़ में पुलिस जवानों को बड़ी सफलता हाथ लगी थी. जवानों ने इस दौरान एक साथ 14 नक्सलियों को ढेर कर दिया था, वहीं एक नक्सली को और ढेर किया गया था. इतना ही नहीं इस मुठभेड़ में कई नक्सली घायल भी हुए थे. जबकि एक महिला नक्सली और एक 5 लाख के नक्सली को पुलिस ने जिंदा पकड़ा था.

संक्षिप्त समाचार

आरक्षण समर्थकों ने प्रधानमंत्री को भेजा पत्र

लखनऊ। दिल्ली के जंतर मंतर पर असामाजिक तत्वों द्वारा नौ अगस्त को बाबा साहब द्वारा रचित भारतीय संविधान की प्रति जलाते हुए डा. भीमराव अम्बेडकर व आरक्षण के खिलाफ की गयी नारेबाजी के विरोध में देशभर में दलित समाज में भारी रोष व्याप्त है। संघर्ष समिति ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र भेजकर पूरे मामले पर हस्तक्षेप करते दोषियों के खिलाफ राष्ट्रद्रोह के तहत मुकदमा चलाये जाने की मांग की है। आरक्षण समर्थकों ने प्रधानमंत्री को भेजे गये पत्र में पूरे मामले पर उच्च स्तरीय जांच कराये जाने का मुद्दा उठाया गया है और यह अनुरोध किया गया है कि पूरे देश के दलित समाज में लगातार आक्रोश फैल रहा है इसलिये दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कराने के लिए पीएमओ का हस्तक्षेप बहुत जरुरी है। आरक्षण समर्थकों ने कहा कि इस घटना का खुलासा होने के बाद भारतीय संविधान पर बड़ी बड़ी बात करने वाली पार्टियां चुप होकर तमाशा देख रही है वह भारत के संविधान के लिये खतरनाक है। संघर्ष समिति ने सभी राजनैतिक पार्टियों से इस मामले पर हस्तक्षेप करते हुए दोषियों को सजा दिलाने के लिए उनसे सहयोग की अपील की है। इस मौके पर आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक अवधेश कुमार वर्मा, डा. रामशब्द जैसवारा आरपी केन, अनिल कुमार, अजय कुमार, लेखराम,, महेन्द्र सिंह, दिग्विजय सिंह, अशोक सोनकर, प्रेमचन्द्र, अजय चौधरी, निवास राव, जितेन्द्र कुमार, राजेश पासवान, प्रभु शंकर, अरविन्द फ

उप्र युवा नीति–2016 पूरी तरह से लागू हो

लखनऊ। अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में यूपी युवा नीति क्रियान्वयन नेटवर्क की ओर से प्रेस क्लब में रविवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश युवा नीति–2016 की वर्तमान परिस्थिति पर विभिन्न वर्गो के लोगों व बुद्धिजीवियों ने विचार–विमर्श किया। संस्था के प्रतिनिधि के रूप में मौजूद अजय शर्मा ने मीडिया को बताया कि उत्तर प्रदेश युवा नीति–2016 जिन उद्देश्यों व लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बनायी गयी थी उनकी पूर्ति दो वर्ष पूरे गुजर जाने के बाद भी संभव नहीं हो पायी। कार्यक्रम में मौजूद संगठन के प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार से गुहार लगाते हुए मांग कि है कि देश के युवा ही राष्ट्र के कर्णधार व भविष्य होते हैं। ऐसे में यदि उन्हें सही दिशा नहीं मिलेगी तो वह गुमराह होकर गलत रास्तों पर आगे बढ़ने को मजबूर होंगे। ऐसे में जरूरत है कि युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार के साथ ही अन्य संगठन आगे आये। संगठन ने उ.प्र. युवा नीति–2016 को पूरी तरह से लागू करने की मांग की है ताकि सूबे के युवा देश के मजबूत कर्णधार साबित हो सकें।रसोवाल, वृहम वर्मा, सुनील कनौजिया आदि मौजूद थे।

यूपी युवा नीति क्रियान्वयन नेटवर्क ने सरकार से लगायी गुहार

दिग्विजय सिंह ने भोपाल स्थित अपना सरकारी बंगला किया खाली

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दमदार नेता दिग्विजय सिंह ने भोपाल स्थित अपना सरकारी बंगला खाली कर दिया है। भोपाल के श्यामला हिल्स से रविवार उन्होंने अपना सामान शिफ्ट कर लिया।

गौरतलब है कि जुलाई महीने में हाईकोर्ट ने सभी पूर्व मुख्यमंत्रियों के बंगले खाली कराने का आदेश दिया था जिसके बाद सरकार ने भी आदेश जारी कर पूर्व मुख्यमंत्रियों से सरकारी बंगले का आवंटन निरस्त कर दिया था। हालांकि बाद में नए आदेश जारी कर तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों को उनके बंगले फिर से दे दिए गए थे।

कानपुर : सीएम योगी के दौरे से पहले पुलिस ने सपाइयों को किया नजरबंद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने एक दिवसीय दौरे पर कानपुर जाएंगे। इस दौरान सीएम योगी कानपुर में नमामि गंगे के तहत हुए कामों का सीएसए में लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री योगी के साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, उमा भारती और यूपी के नगर विकास मंत्री सुरेश खन्ना इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। मुख्यमंत्री आज पूरे दिन शहर में रहेंगे और शहर में हो रहे विकास कार्यों और नमामि गंगे परियोजना का पहली बार स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे। सीएम के दौरे को देखते हुए स्थानीय सपा नेताओं को कानपुर पुलिस ने नजरबंद कर दिया है।

यूपी के शहर कानपुर के लिए ये पहला मौका है कि जब मुख्यमंत्री शहर का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। इसके लिये जिला प्रशासन ने पूरी तैयारियाँ कर ली है लेकिन इसके बावजूद भी स्थलीय निरीक्षण के नाम से अफसरों में खलबली मची हुई है। मुख्यमंत्री शहर में 5 घण्टे 15 मिनट रहेंगे जिसमें 110 मिनट नमामि गंगे के तहत पूरे प्रदेश में हो रहे विकास कार्यो की समीक्षा बैठक केडीए सभागार में करेंगे। सीएम योगी के साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, उमा भारती और कानपुर के सांसद डॉ एम एम जोशी और देवेन्द्र सिंह भोले भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ आज कानपुर दौरे पर रहेंगे। सीएम योगी के कार्यक्रम से पहले पुलिस ने सपा नेता हसन रूमी को उन्हीं के घर पर नजर बंद कर दिया है। बताया जा रहा है कि सपा नेता सीएम को कानून व्यवस्था समेत कई अन्य मामलों को लेकर ज्ञापन देना चाहते थे।

फर्जी लेबल लगाकर नकली शराब बेचने वाले पांच तस्कर गिरफ्तार

सरोजनीनगर–लखनऊ । सरोजनीनगर पुलिस व आबकारी विभाग के डिप्टी कमीश्नर द्वारा गठित संयुक्त टीम ने रविवार को अमौसी स्थित अंग्रेजी शराब की बोतलों में लेबल बदलकर फर्जी क्यू आर कोड व बारकोड लगाकर नकली शराब बेचने वाले पांच शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है।

उसमें दो अंग्रेजी शराब की दुकान के सेल्समैन बताये जा रहे हैं। उनके पास से भारी मात्रा में नकली शराब भरी शीशियां व अन्य सामग्री बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक आबकारी निरीक्षक रविशंकर व प्रवीण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार रात नादरगंज में एक युवक को नकली शराब की बोतलों के साथ पकड़ा, जहां पूछताछ में युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर अमौसी स्थित नहर पुलिया के पास यह कारोबार करने की बात बतायी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर छापा मारकर वहां से भारी मात्रा में रॉयल स्टैग, रॉयल चौलेंज, इंपीरियल ब्लू, मैकडोवेल व पीएम ब्रांड के लेवल लगी फर्जी क्यूआर कोड युक्त करीब सात बोरी नकली शराब भरी पौवा, अद्धा व बोतलों के साथ ही काफी खाली बोतलें, ढक्कन व फर्जी क्यू आर कोड व बारकोड के रैपर बरामद करने का दावा किया है। पुलिस ने बताया कि इस कारोबार में पकड़े गए युवकों ने अपना नाम उन्नाव जिले के माखी थानान्तर्गत अनिल द्विवेदी, वहीं के हिरननगर निवासी चन्द्रप्रकाश जायसवाल व बांगरमऊ निवासी अमित कुमार के अलावा रायबरेली के बछरावां निवासी शिव प्रकाश और बाराबंकी के लोनीकटरा निवासी अरविन्द कुमार बताया है। पुलिस ने पकड़े गए पांचों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।

जहरीली शराब से मौतों के मामले में गिरफ्तारी

कानपुर। एसटीएफ ने कानपुर नगर और देहात में पिछले दिनों जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामले में वांछित आरोपित व 25 हजार के इनामी भरत गुप्ता को रविवार को कानपुर के सचेण्डी से गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ के एसएसपी अभिषेक सिंह ने बताया कि इसी साल 20 और 21 मई को कानपुर नगर व कानपुर देहात में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मृत्यु हुई थी। गिरफ्तार आरोपित औरैया के नारायनपुर का रहने वाला है। श्री सिंह ने बताया कि जानकारी मिली थी कि भरत गुप्ता उर्फ अंकुश नोएडा के ममूरा गांव में किराये का मकान लेकर नकली शराब बनाने का कारोबार कर रहा है और कई जनपदों में इसकी सप्लाई करता है। यह एक अंतरराज्यीय गिरोह का सदस्य है, जो ज्यादातर माल दिल्ली से लाता है।

इसी जहरीली शराब से कानपुर में लोगों की मृत्यु हुई थी। उन्होंने बताया कि शराब की सप्लाई के सिलसिले में उसके यहां आने की सूचना पर एसटीएफ टीम ने सचेण्डी इलाके में चकरपुर मण्डी के सामने से उसे गिरफ्तार कर लिया।

देवरिया कांड : एसआईटी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में पेश की रिपोर्ट

लखनऊ। देवरिया में मां विंध्यवासिनी शेल्टर होम में आराजकता के मामले में सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में अहम सुनवाई चल रही है। सुनवाई के दौरान एसआईटी ने इस मामले में अब तक जांच में आई बातों को कोर्ट के सामने रखा। रिपोर्ट देखने के बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई। साथ दो बजे तक इस मामले में राज्य सरकार से कई जानकारियां मांगी हैं। कोर्ट ने ये भी पूछा है कि उन एनजीओ का नाम बताएं जो अच्छी हों जहां लड़कियों को रखा जा सके।

गौरतलब है कि 8 अगस्त को देवरिया के स्टेशन रोड स्थित मां विन्ध्यवासिनी बालिका गृह से पुलिस ने 24 लड़कियों का मुक्त कराया था। इस बालिका गृह से किसी तरह बच के निकली एक लड़की ने चौकाने वाले खुलासे किये थे। उसका कहना था कि यहाँ लड़कियों ने झाड़ू–पोछा और बर्तन मजवाने का काम कराया जाता था। इसके साथ लड़कियों को कहीं भेजा भी जाता था।

इसके बाद बालिका गृह की संचालिका गिरजा त्रिपाठी उसके पति और बेटी को गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं इन आरोपों पर गिरजा का कहना है कि बच्चियां पुलिस हिरासत में हैं, वो जो चाहें कहलवा सकते हैं। आपको बता दें कि सरकार पहले से ही इस बालिका गृह में अनियमितता को लेकर सरकार सीबीआई जांच करा रही थी। इस जांच की वजह से सरकार ने इस संस्था को पैसा देना बंद कर दिया था। लेकिन इसके बाद भी इस बालिका गृह का संचालन किया जा रहा था।

यहाँ से बच कर निकली लड़की ने महिला थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई थी। इसके बाद पुलिस ने ने वहां छापा मारा। छापेमारी के दौरान 42 लड़कियों में से 24 लड़कियों को छुड़ाया गया है। बाकी 18 लड़कियों की तलाश की जा रही है। लड़की ने पुलिस को बताया था कि यहाँ एक दीदी हैं जिन्हें बड़ी मैम रात को कहीं भेजती थीं, कभी लाल गाड़ी तो कभी काली गाड़ी उनको ले जाने आती थी।

दीदी जब वापस घर आती तो सिर्फ रोती थीं। पूछने पर कुछ बताती नहीं थीं। मां विन्ध्वासिनी महिला प्रशिक्षण एवं समाजिक सेवा संस्थान था जिसमे अनिमियता पाई गई थी।

किसानों की आय दोगुनी करने में मनरेगा की बड़ी भूमिका संभव : सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसानों ने निरन्तर अपने पुरु षार्थ से देश की समृद्धि में योगदान दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मनरेगा की बड़ी भूमिका हो सकती है। इस दिशा में वृहत्तर प्रयास हो रहा है। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को यहां बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर विविद्यालय में आयोजित कृषकों की आय दोगुना करने हेतु कृषि एवं मनरेगा अभिसरण कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कन्वेन्जेन्स के माध्यम से कृषि कार्य में मनरेगा के उपयोग पर विचार–विमर्श करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा सात मुख्यमंत्रियों की एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति के सुझाव पर कृषि कार्यों में मनरेगा के उपयोग पर किसानों एवं अन्य सम्बन्धित व्यक्तियों और संस्थाओं की राय प्राप्त करने के लिए प्रदेश में चार कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। लखनऊ में इस प्रकार की पहली कार्यशाला आयोजित की जा रही है। सीएम ने कहा कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृषि उत्पादन लागत घटाना, कृषि उत्पादन बढ़ाना तथा किसान को उसके कृषि उत्पाद का अधिकतम मूल्य दिलाना आवश्यक है। कृषि उत्पाद का अधिकतम मूल्य दिलाने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा 14 जिन्सों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 50 से 150 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है। वर्तमान में मनरेगा के माध्यम से 260 कार्य किए जा सकते हैं। इसके माध्यम से 193 सामुदायिक कार्य तथा 67 व्यक्तिगत कार्य कराए जा सकते हैं। इससे लघु और सीमान्त किसानों को बड़ा लाभ हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा तथा जंगली पशुओं से खेती को सुरक्षित करने, सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने में मनरेगा की उपयोगिता पर भी विचार किया जाना चाहिए। ग्राम विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने मनरेगा योजना का प्रभावी उपयोग किया है। इस वर्ष 20, 000 तालाबों के लक्ष्य के सापेक्ष अभी तक 9,728 तालाब बनाए गए हैं। लगभग 10,000 आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण भी कराया गया है। मनरेगा के अंतर्गत आधार आधारित भुगतान में प्रदेश को देश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। कार्यशाला को कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. प्रभात कुमार ने भी संबोधित किया। कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्यमंत्री द्वारा दीप प्रज्ज्वलित तथा बाबा साहब डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।

कृषि कार्यों में मनरेगा के उपयोग पर प्रदेश में होंगी चार कार्यशालाएं लखनऊ में होगी पहली कार्यशाला का आयोजनमनरेगा के तहत इस वर्ष बनाये गये 9,728 तालाब व 10,000 आंगनबाड़ी केन्द्र

शासन–प्रशासन पर हावी आरएसएस : डा. मसूद

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डा. मसूद ने आरोप लगाया है कि प्रदेश में पूरी तरह से अराजकता का माहौल है और शासन–प्रशासन पर आरएसएस के पदाधिकारी हावी है। रालोद के प्रदेश मुख्यालय में बृहस्पतिवार को पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्थिति प्रोटेम मुख्यमंत्री की है, उनकी शासन के आला अफसर नहीं सुनते है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव पूर्व भाजपा ने तमाम वादे किये थे, जिसमें से कोई भी वादा सत्ता में आने पर पूरा नहीं किया। इससे आम जनता में काफी निराशा है। देश व प्रदेश की सरकार किसानों के बजाय पूंजीपतियों का हित साधने में लगी है।

संक्षिप्त समाचार

युवती की फोटो फेसबुक पर वॉयरल

लखनऊ। ठाकुरगंज इलाके में रहने वाली युवती को बदनाम करने के लिए सिरफिरे दोस्तों ने उसकी फोटो एडिट कर फेसबुक पर वॉयरल कर दी। ओछी हरकत का पता करने पर पीड़ित पिता ने थाने पर तीन युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है।थाना क्षेत्र में युवती परिवार के साथ रहती है। परिजनों का कहना है कि मोहल्ले में मोनू, करन व संतोष रहते हैं। आरोप है कि तीनों दोस्तों ने युवती को बदनाम करने के लिए उसकी अश्लील फोटो तैयार कर फेसबुक पर अपलोड कर दी। युवती को जब इस बात का पता चला तो उसके होश उड़ गये। उसने परिवारवालों को बताया। पीड़िता के पिता ने ठाकुरगंज पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों के खिलाफ 67 आईटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज करायी है।लखनऊ (एसएनबी)। बख्शी का तालाब स्थित सौ शैय्या अस्पताल के पास रविवार को पूर्व ब्लॉक प्रमुख के बेटे से लुटेरों ने लूट का प्रयास किया। लुटेरे का प्रयास तब विफल हो गया, जब युवक उनपर भारी पड़ गया। बीच सड़क गुत्थम–गुत्था हो रही थी, तभी पीआरवी सवार पुलिसकर्मी पहुंच गये। पुलिस ने लुटेरे को दबोचकर तमंचा बरामद कर लिया है।

लुटेरे से भिड़ा पूर्व ब्लॉक प्रमुख का बेटा

इटौंजा के भगौतापुर निवासी पूर्व ब्लॉक प्रमुख का बेटा राजेन्द्र द्विवेदी रविवार को बीकेटी से घर जा रहे थे। जैसे ही वे सौ शैय्या अस्पताल के पहुंचे, बाइक सवार बदमाशों ने ओवरटेक कर रोक लिया। एक बदमाश ने तमंचा निकालकर ताना तो राजेन्द्र ने हाथ पकड़कर पटक दिया। हाथापाई होती देख दूसरा साथी बाइक लेकर भाग निकला। उधर से गुजर रही पीआरवी 0528 सवार पुलिसकर्मी पहुंचे। पुलिस को देखते ही लुटेरा राजेन्द्र को धक्का देकर खेत की ओर भागने लगा। यह देख पीआरवी सवार पुलिसकर्मियों ने दौड़ाकर लुटेरे को दबोच लिया। पूछताछ में लुटेरे ने अपना नाम सीतापुर निवासी वीरेन्द्र बताया। पुलिस ने तमंचा भी बरामद कर लिया है।

व्यक्तिगत फार्म भरने के लिए राजधानी में बनाए गए दस अग्रसारण केन्द्र

लखनऊ । यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के व्यक्तिगत विद्यार्थियों के फार्म भरने के लिए राजधानी में दस विद्यालयों को अग्रसारण केन्द्र बनाया गया है। पहले राजधानी में बीस विद्यालयों को अग्रसारण केन्द्र बनाया गया था, लेकिन बाद में माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने इनकी संख्या घटाकर दस कर दी है। ज्ञात हो गत वर्ष बोर्ड परीक्षा के लिए जो अग्रसारण केन्द्र बनाए गए थे, उसमें बोर्ड के फार्म भरवाते समय प्रधानाचायरे ने बड़े पैमाने पर लापरवाही बरती थी। इसके चलते प्रदेश के लगभग 83 हजार परीक्षार्थियों के परीक्षा देने के लिए भरे गए फार्म फर्जी पाए गए थे। इसे देखते हुए परिषद ने गत दिनों जिला विद्यालय निरीक्षक को केवल राजकीय विद्यालयों को ही अग्रसारण केन्द्र बनाए जाने के निर्देश दिए थे, जिससे अब राजधानी में मात्र दस राजकीय कालेजों से ही व्यक्तिगत विद्यार्थी बोर्ड के फार्म भर सकेंगे। राजधानी में राजकी बालिका इण्टर कालेज सिंगार नगर, राजकीय कन्या इण्टर कालेज मलिहाबाद, राजकीय कन्या इण्टर कालेज विकास नगर, राजकीय उत्तर प्रदेश सैनिक इण्टर कालेज सरोजनी नगर, राजकीय बालिका इण्टर कालेज शाहमीना रोड, राजकीय हुसैनाबाद इण्टर कालेज, अग्रसारण केन्द्र बनाया गया है।

स्वच्छता अभियान चलाया

लखनऊ। प्राणि उद्यान लखनऊ में स्कूली छात्र–छात्राओं द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके तहत सेन्ट्रल एकेडमी आशियाना, लखनऊ के पचास छात्र–छात्राओं द्वारा भाग लिया गया। छात्र छात्राओं ने चिल्ड्रन पार्क व बारादरी में स्वच्छता के साथ–साथ प्लास्टिक व पालीथिन के दुष्प्रभाव के विषय में भी जागरूक किया गया तथा प्राणि उद्यान के पशु चिकित्सक द्वारा प्राणि उद्यान के इतिहास के विषय में तथा यहॉ उपलब्ध पशु, पक्षियों के बारे में विस्तार से बताया गया।

अधिवक्ता के रूप में पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह बार कौंसिल में पंजीकृत

लखनऊ। यूपी के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह का चयन बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के अधिवक्ता (।कअवबंजम) के रूप में हो गया है। इसकी पुष्टि बार काउंसिल द्वारा जारी की गयी एक स्लिप से हुई है। सुलखान सिंह काफी समय तक उत्तर प्रदेश के डीजीपी रहे थे। डिपार्टमेंट में सुलखान सिंह की छवि तेज–तर्रार इमेज वाली अफसरगिरी के साथ साफ–सुथरी छवि, ईमानदार और सख्त अधिकारी के तौर पर बनी हुई है।

स्लिप में लिखा है ये – बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश की ओर से जारी इस स्लिप में लिखा है, 'प्रिय महोदय, आपके आवेदन के संदर्भ में ये सूचित किया जाता है कि आपका पंजीकरण अधिवक्ता के रूप में दिनांक–22.7.2018 को हो गया है। आपकी पंजीकरण संख्या आपकी पंजीकरण संख्या 3545ध2018 है। आपके मूल प्रमाण पत्र और पंजीकरण प्रमाण पत्र जल्द ही भेज दिए जायेंगे।

इस स्लिप के सामने आने के बाद ये पुष्टि हो गयी है कि यूपी के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह का चयन बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के अधिवक्ता के रूप में हो गया है।

लखनऊ पुलिस के हत्थे चढ़े गोमांस तस्कर

यूपी की राजधानी पुलिस ने गौकशी के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने भारी मात्रा में गोमांस, तमंचा, कारतूस सहित अन्य हथियार बरामद किया है। आरोपी बरेली, अमेठी और सुल्तानपुर जिलों के सूनसान इलाकों में गोकशी की घटना को अंजाम देते थे और इसके बाद मांस राजधानी के कई इलाकों में सप्लाई करते थे। मोहनलालगंज थाना पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम सहित कई संगीन धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया है।

बता दें कि एसएसपी कलानिधि नैथानी के निर्देश पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसमें मोहनलालगंज थाना पुलिस ने गत रात करीब 12 बजे जबरौली मोड़ के पास एक इनोवा कार को रोक कर तलाशी थी। जिसमें करीब छह कुंतल गोमांस बरामद हुआ है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गोकशी में इस्तेमाल 12 बोर तमंचा, कारतूस, चाकू और बांका बरामद किया है।

आरोपी इलाके के घुमंतु गायों और जानवरों को पकड़ कर सूनसान जंगल में ले जाकर मारते थे और इसकी भनक किसी को न लगे। इसलिए मांस को वीआईपी इनोवा कार से लेकर लखनऊ के लिए रवाना होते थे। गाड़ी में आरोपियों ने बाकायदा पर्दा लगा रखा था, ताकि पुलिस वीवीआईपी समझ उनकी गाड़ी को रोकना जरूरी न समझे। फिर आरोपी गोमांस को लखनऊ के अलग–अलग इलाकों में सप्लाई करते थे। इतना ही नहीं धार्मिक उन्माद फैलाने के लिए कुछ अवशेष इधर–उधर छोड़ देते थे।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि अमेठी के मुसाफिर खाना, सुल्तानपुर के माल काकोरी और रायबरेली के बछरावा क्षेत्रों से गायों को पकड़ते थे और सूनसान जंगल में ले जाकर गायों को मारते थे। आरोपियों ने बताया कि उसका एक और साथी बाजार खाला निवासी अम्मान उर्फ फैज बाइक से गोमांस की तस्करी में संलिप्त है।

अभिभावक एवं समाज की भूमिका पर संगोष्ठी

लखनऊ। सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर क्यू अलीगंज में रविवार को विद्यालय सभागार में सर्वांगीण विकास में अभिभावक एवं समाज की भूमिका विषय पर की संगोष्ठी सम्पन्न हुई ▸ गोष्ठी में मुख्य अतिथि कृष्ण मोहन त्रिपाठी पूर्व माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने बताया की छात्रों का संवेगात्मक विकास होना चाहिए। उनकी अभिचि को जानकर खेल, व्यायाम और संगीत के माध्यम से उनका सर्वांगीण विकास किया जा सकता है।

राजेंद्र सिंह बघेल ने कहा की शिक्षण में तकनीक का प्रयोग कर हम विषय की ग्राहयता को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि योग और प्राणायाम के द्वारा, शिक्षक जीवंत शिक्षण की कला से शिक्षण को चिकर बना सकता है। शिक्षक द्वारा छात्र को जानने, पहचानने व गतिशील बनाने का यत्न किया जाना चाहिए।

जय नारायण पोस्टग्रेजुएट कॉलेज के गणित विभागाध्यक्ष जय प्रकाश सिंह ने बताया कि विद्यालय के सर्वांगीण विकास में अभिभावक, छात्र एवं शिक्षक का बराबर का योगदान है, लेकिन शिक्षक को ही आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। संगोष्ठी में श्रीमती गीतिका केशवानी ने अंग्रेजी शिक्षण के विषय में बताया की इससे हमारे व्यक्तिव का विकास होता है तथा भारतीय प्रतिभा का पलायन कता है। केन्द्रीय विविद्यालय के प्रो डा ब्र्ज मोहन मिश्र बताया की सभी भाषाए एक दूसरे की पूरक हैं। उन्होंने बताया कि विश्व के ज्ञान को प्राप्त करने के लिए अंग्रेजी आवश्यक है। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य हरेराम पाण्डेय, डा विद्यानन्द मिश्र व अवधेश कुमार सिंह ने सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

ऑनलाइन शापिंग करना पड़ा महंगा

खाते से कटे करीब 16 हजार, शापिंग वेबसाइट पर पसंद की थी 169 रुपये की घड़ी, पार्सल में मिली पांच जोड़ी सैंडल

पीड़ित ने गोमतीनगर थाने में दर्ज करायी रिपोर्ट

लखनऊ। गोमतीनगर में रहने वाले पिता को शापिंग वेबसाइट पर बेटी के लिए घड़ी बुक करना महंगा पड़ गया। जालसाज कम्पनी ने 169 रुपये की घड़ी के डिलेवरी चार्ज के बाद 234 रुपये काटने के बजाए खाते से करीब 16 हजार काट लिए। धोखाधड़ी की शिकायत कम्पनी से की गयी तो एक पार्सल भेजा गया। पार्सल में घड़ी के बजाए पांच सैंडिल मिली। पीड़ित ने गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।विपुलखण्ड के रहने वाले पीपी वर्मा ने बताया कि उन्होंने एक ऑनलाइन शापिंग वेबसाइट पर बेटी के लिए एक घड़ी पसंद की थी। घड़ी देखने में सुन्दर व कीमत भी कम थी। घड़ी पसंद आने पर उन्होंने बुक करते हुए क्रेडिट कार्ड से पेमेंट कर दिया। कुछ देर बाद उनके पास खाते से 16,612 रुपये निकलने का मैसेज आया। यह देख उनके होश उड़ गये।उन्होंने वेबसाइट के टॉल फ्री नम्बर पर कॉल की लेकिन सम्पर्क नहीं हुआ। इसी बीच बैंक से पीपी वर्मा के पास एक कॉल आयी। फोनकर्ता ने ट्रांजेक्शन के बारे में पूछा तो पीपी वर्मा ने कहा कि ट्रांजक्शन गलत है। उसे कैंसिल कर दीजिए। उनका कहना है कि बावजूद ट्रांजेक्शन कैंसल करने के बजाए कार्ड ब्लॉक कर दिया गया। इसके बाद उनके पते पर शापिंग वेबसाइट कम्पनी से एक पार्सल आया।उन्होंने पार्सल खोला तो उसमें घड़ी की जगह पांच सैंडिल मिली। इसके साथ ही उनके पास एक मेल आया, जिसमें घड़ी, चश्मे व कपड़ों का पार्सल भेजने की बात लिखी थी। धोखाधड़ी का एहसास होने पर पीड़ित पीपी वर्मा ने गोमतीनगर पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने शापिंग वेबसाइट के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

देवरिया कांड पर प्रदेश कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

लखनऊ। देवरिया कांड पर प्रदेश के सभी जिलों में धरना–प्रदर्शन करने की पूर्व घोषणा के बाद भी बृहस्पतिवार को अचानक इसे स्थगित कर दिया गया। इससे राजधानी सहित अधिकतर जिलों में कांग्रेस का धरना–प्रदर्शन नहीं हुआ। सिर्फ बस्ती व चित्रकूट जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। देवरिया के मां विन्ध्यवासिनी महिला एवं बालिका संरक्षण गृह में बालिकाओं के साथ हुए शोषण के मामले के विरोध में प्रदेश कांग्रेस ने बृहस्पतिवार (नौ अगस्त) को प्रदेश की सभी जिला व शहर कांग्रेस कमेटियों के संयुक्त तत्वावधान में धरना–प्रदर्शन किये जाने का ऐलान किया था। कांग्रेस की ओर से आयोजित इस धरना–प्रदर्शन के कार्यक्रम के बाद भी आज राजधानी सहित प्रदेश के अधिकतर जिलों में इसका आयोजन नहीं किया गया। कई जिलों के जिला व शहर अध्यक्षों से बात करने पर उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस से पहले उन्हें धरना–प्रदर्शन करने के निर्देश मिले थे लेकिन बाद में उन्हें मना कर दिया गया। कांग्रेस प्रवक्ता डा. हिलाल अहमद ने बताया कि तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के निधन पर घोषित शोक के चलते यह प्रदर्शन स्थगित किया गया है।देवरिया मामले में जनता को गुमराह कर रही सरकार रू अजय कुमारलखनऊ (एसएनबी)। कांग्रेस विधान मंडल दल के नेता अजय कुमार ''लल्लू' ने कहा कि सरकार देवरिया कांड को लेकर जिलाधिकारी के निलम्बन को लेकर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। उन्होंने जारी विज्ञप्ति में कहा कि देवरिया के बालिका, बाल गृह के महिलाओं और बालिकाओं के साथ यौन उत्पीड़न और अत्याचार की घटना को लेकर मुख्यमंत्री ने देवरिया के डीएम सुजीत कुमार को लेकर प्रेसवार्ता के दौरान कहा था कि डीएम के खिलाफ चार्जशीट दिया गया है जबकि किसी भी स्रेत से यह जानकारी नहीं प्राप्त हुई है कि देवरिया के तत्कालीन जिलाधिकारी को निलम्बित किया गया है। ऐसे में यह दोनों बातें आपस में विरोधाभासी है।

हैंडपम्प पर पानी भरने को लेकर दो पक्षों में मारपीट

नगराम–लखनऊ। नगराम के सेल्हूमऊ गांव में सरकारी हैडपम्प पर पानी भरने के विवाद को लेकर दो पक्षों की महिलाओं के बीच हुई तकरार के बाद नौबत मारपीट तक पंहुच गयी। दोनोंओर से परिजन लाठी–डंडा लेकर एक दूसरे पर टूट पड़े। इस मारपीट में दोनों तरफ के करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गये। थानाध्यक्ष नगराम के अनुसार दोनों पक्षों के द्वारा दी गयी तहरीर पर एक पक्ष पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने व दूसरे पक्ष के विद्ध एससीध्एसटी एक्ट व मारपीट के बाबत मामला दर्ज कर घायलों को इलाज के लिए सीएचसी नगराम भेजा गया। इसमें एक आरोपित को एससीध्एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।नगराम के सेल्हूमऊ गांव में जगतपाल के घर के सामने सहन में इण्डिया मार्का हैंडपम्प लगा

कानपुर से लखनऊ तक फैला टैक्स माफिया का संजाल

टैक्स माफिया के दो गैंगों ने तैयार कर ली कम्पनी

लखनऊ। यूपी में टैक्स माफिया के दो बड़े गैंगों का संजाल तैयार हो चुका है। इन लोगों ने अपने नेटवर्क का मुख्य केन्द्र कानपुर को बनाया है, यहां से लखनऊ व आस–पास के शहरों में भारी मात्रा में टैक्सचोरी का माल सप्लाई किया जा रहा है। इसके साथ ही टैक्स माफिया के इन दोनों गैंगों में गैंगवार के बादल भी गहराने लगे हैं। कारण यह है कि कानपुर में वाणिज्य कर के एडीशनल कमिश्नर केशवलाल के कार्यकाल में सक्रिय रहे टैक्स चोरी के बड़े खिलाड़ियों ने भी अपने नेटवर्क को एक्टिव मोड में डाल दिया है। टैक्स माफियाओं की इस कम्पनी की गतिविधियों की गोपनीय जानकारी शासन के कर एंव निबन्धन अनुभाग तक को मिल चुकी है, शायद यही कारण है कि पिछले दिनों हुई बैठक में विभाग के अपर मुख्यसचिव आलोक कुमार ने पिछले दो माह से लखनऊ मुख्यालय में तैनात एसटीएफ द्वारा टैक्सचोरी को लेकर कोई कार्रवाई न किये जाने पर नाराजगी जाहिर की है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या वाणिज्य कर मुख्यालय में तैनात एसटीएफ के अफसरों को इसकी जानकारी नहीं या फिर उनके हाथ बंधे हैं, दोनों ही दशा में नुक्सान राज्य सरकार का ही हो रहा है।टैक्स माफियाओं की इस (टी) कम्पनी की कहानी आज से करीब चार साल पहले आई कम्पनी फिल्म से कम नहीं है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि औद्योगिक नगरी कानपुर के रेलवे स्टेशन पर सक्रिय इसके सभी किरदारों के जो निकनेम रखे गये हैं, वे अंडर्वड माफिया गैंग के सदस्यों से पूरी तरह मेल खाते हैं। दरअसल यह पूरा मामला करोड़ों की टैक्सचोरी से जुड़ा है, कानपुर सेंट्रल व अनवरगंज स्टेशन टैक्सचोरी का माल लाने वालों का गढ़ माना जाता है। देश के विभिन्न प्रान्तों से रेलवे की बोगियों में माल बुक करवाकर यहां माल लाया जाता है, इसके बाद इसकी सप्लाई वाया लखनऊ के यहियागंज से पूर्वाचल के जिलों में होती है। वाणिज्य कर मुख्यालय के पूर्व एडीशनल कमिश्नर आन्जनेय कुमार सिंह को इसकी जानकारी मिल गयी थी, उन्होंने जिलाधिकारी कानपुर व विभाग की विशेष जांच टीम (एसआईबी) के सहयोग से आपरेशन पार्सलघर चलाकर टैक्सचोरी का भारी मात्रा में माल पकड़ा लेकिन उनके तबादले के बाद बैठे टैक्स माफिया एक बार दो गुनी ताकत से वापस लौटा है। इसमें कई दिग्गज वे भी हैं जो कानपुर के पूर्व एडीशनल कमिश्नर केशवलाल के चहेते थे। शासन को मिली गोपनीय जानकारी के अनुसार सपा सरकार और केशवलाल के कार्यकाल में टैक्स चोरी कर अरबपति बने शहर के किराना और पान मसाला कारोबारियों के टैक्सचोरी के माल की सप्लाई करने वाले मीठा, होजरी का माल पास करवाने वाले जायसवाल, कोलकाता की ओर से टैक्स चोरी की होजरी लाने वाले बॉबी दलाल, अनवरगंज स्टेशन का रेलवे वीपीयू लीज होल्डर सुनहरी, इलेक्ट्रानिक का माल लाने वाला कांडा दलाल एक बार फिर सक्रिय हो गये हैं। हालांकि इस मामले में वाणिज्य कर विभाग का कोई भी अधिकारी बोलने को तो तैयार नहीं है लेकिन अगर सूत्रों की माने तो सक्रिय दलाल पहले प्रतिमाह 20 लाख की वसूली करते थे, जो अब बढ़कर काफी अधिक हो गयी है। इन दलालों द्वारा वसूला गया पैसा कहां कहां जा रहा है इसकी भी गोपनी जानकारी शासन तक पहुंची है। अब देखना है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री राजस्व वृद्धि के लिए टैक्सचोरी रोकने की जो बात लगातार कह रहे है, उनको वाणिज्यकर मुख्यालय प्रशासन कितनी गंभीरता से लेता है।

अन्य विभागों के आश्रय गृहों को भी सूचीबद्ध किया जाए

महिला कल्याण मंत्री ने आश्रय गृहों व शरणालयों की व्यवस्था को लेकर की बैठक

लखनऊ। प्रदेश की महिला कल्याण मंत्री प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने विभागीय अधिकारियों के साथ प्रदेश के आश्रय गृहों व शरणालयों की व्यवस्था को लेकर बैठक की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को देखा और कहा कि प्रदेश में समाज कल्याण तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा चलाये जा रहे आश्रय गृहों की सूची भी मंगवाई जाए। उन्होंने कहा कि इन विभागों द्वारा आश्रय गृहों को दी जाने वाली व्यवस्था संबंधी नियम भी प्रस्तुत किये जाएं।बैठक में अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि अन्य विभागों द्वारा भी आश्रय गृहों का संचालन किया जा रहा है, जिस पर मंत्री ने तत्काल ऐसे आश्रयगृहों की सूची तथा व्यवस्थागत नियम का विवरण तैयार करने का निर्देश दिया। प्रो. जोशी ने कहा कि केवल संस्था का पंजीकरण ही नहीं अपितु आश्रय गृह में रहने वाले बच्चों की संख्या और उनका विवरण भी ऑनलाइन रखे जाने की व्यवस्था बनायी जाए। बच्चों और महिलाओं का किसी भी प्रकार का शोषण रोकने के लिए व्यवस्था में पारदर्शिता लायी जाए तथा जैसे ही कोई बच्चा या महिला

शरणालय व आश्रयगृह में लाई जाए, उसी समय उसका पूरा विवरण ऑनलाइन अपलोड किया जाए। प्रो. जोशी ने अधिकारियों से कहा कि इस तरह की व्यवस्था बनाते समय यह ध्यान रखा जाए कि अपलोड किया गया विवरण विधिसम्मत ही हो। उन्होंने कहा कि राज्य महिला आयोग, राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्यों द्वारा निरीक्षण कराये जाने के साथ–साथ प्रतिष्ठित विविद्यालयों के माध्यम से सोशल ऑडिट कराने की व्यवस्था भी बनायी जाए तथा निरीक्षक द्वारा की गई टिप्पणी अथवा रिमार्क को ऑनलाइन दर्शाया जाए। बैठक में विशेष सचिव महिला कल्याण रामकेवल ने आठ प्रतिष्ठित विविद्यालयों द्वारा सोशल आडिट कराने की व्यवस्था पर मंत्री से र्चचा की। इनमें आगरा, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, काशी विद्यापीठ, आरएमएल लखनऊ, फैजाबाद विविद्यालय आदि द्वारा अगस्त से ही संस्थाओं द्वारा संचालित शरणालयों व आश्रयगृहों में सोशल आडिट प्रारम्भ किया जा रहा है। बैठक में महिला कल्याण विभाग के वरिष्ठ एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अखिलेश ने बाराबंकी और सीतापुर के मेधावी छात्र–छात्राओं को बाटे लैपटॉप

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में बाराबंकी और सीतापुर के मेधावी छात्र–छात्राओं को लैपटॉप बांटे। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश ने कहा कि वर्तमान सरकार ने लैपटॉप देने का वादा किया था, लेकिन उन्होंने आज तक एक भी लैपटॉप नहीं बांटा। मैं बच्चों को बधाई देता हूं और इसी लगन से आप सभी आगे भी काम करेंगे तो जीवन जरूर सफल होगा। ये लैपटॉप बच्चों को आगे बढ़ने में मदद करता है। हमने अपनी सरकार में बिना भेदभाव के लैपटॉप बांटा था। आज भी हम सरकार को वही याद दिलाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि ये काम मैं सरकार को याद दिलाने के लिए कर रहा हूं कि उन्होंने अपने वादों को पूरा नहीं किया है। लैपटॉप पहुंचता है तो बच्चों के साथ परिवार भी आगे बढ़ता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकार मुद्दों से हट रही है। वे पुरानी बातों पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। नोटबंदी पर भाजपा अब चुप है। उन्होंने सिर्फ जनता को गुमराह करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले तो ऐसे लोग हैं, जो गूगल को भी घुमा देते हैं। मुझे खुशी है कि रायबरेली में आज जो एम्स शुरू हो रहा है। उसके लिए जमीन समाजवादी सरकार ने दी थी। गोरखपुर में भी हमारी सरकार ने जमीन दी थी पर उस काम का पता नहीं चला।

बर्तन धोने से मना किया तो शिक्षिका ने की पिटाई, छात्रा बेहोश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में छात्राओं की प्रताड़ना थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शिक्षक शिक्षिकाओं की प्रताड़ना और पिटाई की घटनाओं से मासूम बच्चे भी दहशत में आ गए हैं। विद्यालयों में लगातार बच्चों के साथ हो रही कई घटनाएं सामने आने के बाद भी जिम्मेदार आंख बंद करके बैठे हुए हैं। ताजा मामला हरदोई जिला का है। यहां स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में एक छात्रा ने जब बर्तन धोने से मना कर दिया तो शिक्षिका ने छात्रा ने उसे बेरहमी से पीट दिया।

दबंग शिक्षिका की पिटाई से छात्रा बेहोश हो गई। छात्रा के बेहोश होते ही उसके साथ पढ़ने वाली अन्य छात्राएं चीख चीख कर रोने लगी। चीखपुकार सुनकर लोग इकट्ठे हो गए। स्थानीय लोग हंगामा करने लगे और पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर थाना प्रभारी श्यामबाबू शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया। इस पूरे मामले में पुलिस पड़ताल कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, मामला पिहानी कोतवाली क्षेत्र का है। यहां पढ़ने वाली एक छात्रा को शिक्षिका ने केवल इसलिए पीट दिया कि उसने बर्तन धोने से मना कर दिया। शिक्षिका की पिटाई से छात्रा बेहोश हो गई। उसके बेहोश होते ही अन्य छात्राएं चीखने चिल्लाने लगी। स्थानीय लोगों अचानक चीखने की आवाज सुनी तो सभी दहशत में आ गए। लोगों ने मौके पर जाकर देखा तो छात्रा बेहोश पड़ी थी। अन्य छात्राएं उसे गोद में लेकर रो रही थी। घटना के बाद सभी छात्राओं ने एकजुट होकर हंगामा किया।

घटना की सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर मौके पर पहुंचे और छात्रा को एम्बुलेंस के जरिये सीएचसी में भर्ती कराया। यहां छात्रा को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुँच गए। अधिकारियों की प्रारंभिक जांच में स्कूल में वार्डन व शिक्षिकाओं के बीच मतभेद की भी बात सामने आ रही है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आरोपी शिक्षिका के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। फिलहाल इस घटना से विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहीं अन्य छात्राएं भी सहम गई हैं। वहीं छात्रा के परिजन भी काफी आक्रोश में हैं। छात्राओं का आरोप है कि शिक्षिका उनसे सुबह बर्तन धुलवाती है और झाड़ू भी लगवाती है।

कुएं में मिले 194 आधार कार्ड,पोस्टमैन से होगी पूछताछ

सीतापुर। केंद्र सरकार भले ही आधार कार्ड को लेकर भले ही गंभीर है, लेकिन उत्तर प्रदेश में सभी आधार कार्ड आसपास के इलाके में ही रहने वाले लोगों के हैं। इस वजह से यह अंदेशा है होने की खबर मिली वहां लोगों का जमावड़ा लग गया। यह आधार कार्ड कुएं में किसने फेंके,

आधार कार्ड मतलब कुछ नहीं है। इसका जीता जगता उदाहरण सीतापुर जिला में देखने को मिला है। यहां आधार कार्ड कुआँ में पड़े मिलने से हड़कंप मच गया। ये खबर जैसे ही अधिकारियों को मिली तो अधिकारी आनन–फानन में मौके पर पहुंचे और सभी आधार कार्ड कुएं से निकलवाए। शुरुआती पड़ताल में बता चला कि कि पोस्ट मैन ने तो इन्हें कुएं में नहीं फेंका। अब पोस्टमैन से पूछताछ के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

जानकारी के मुताबिक, सीतापुर में हुसैनगंज मोहल्ले के एक कुआँ में 194 आधार कार्ड मिलने से जिला प्रशासन में सनसनी फैल गई। गांव के कुआँ में जैसे ही आधार कार्ड के पड़े इन्हें यहां कौन लेकर आया, अभी इसका पता नहीं चल पाया है। हां, आधार कार्डों को कुएं में देखकर लोग जरूर मौके पर पहुंच गए। मामले की सूचना अफसरों को दी। पुलिस ने आसपास के लोगों से इस मामले में पूछताछ भी की है। फिलहाल आधार कार्ड में दर्ज पते और सभी नाम की जानकारी भी की जा रही है। और यह पता लगाया जा रहा है कि आधार कार्ड किसके हैं। यहां क्यों और किसने फेंके हैं। इस पर सिटी मजिस्ट्रेट हर्ष देव पांडेय मौके पर गए। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड निकलवा लिए गए हैं। गिनती कराई गई तो 194 आधार कार्ड निकले। इस मामले में चौकी इंचार्ज की ओर से शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

(पृ. 1 का शेष) . . . **31 को उत्तराखंड**. . . के अंत में उत्तराखंड के रूद्रपुर में एक बड़ी रैली करने जा रही है। सपा यूपी के बाद अब उत्तराखंड में मजबूती से पैर जमाने की तैयारी में है। उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीटों पर इस बार प्रत्याशी उतारेगी। इनमें से सपा की नजर राज्य के हरिद्वार और नैनीताल पर ज्यादा है। इन दोनों ही सीटों पर मुस्लिम आबादी काफी संख्या में है जो सपा का परम्परागत वोटबैंक है। हालांकि यह वर्ग अभी तक राज्य में कांग्रेस का वोट बैंक माना जाता है।

31 अगस्त को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव उत्तराखंड का दौरा करेंगे। वे रूद्रपुर में रैली कर इस इलाके के मुस्लिम वोट बैंक को अपने पक्ष में करना चाहते है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **देश से बाहर** . . . हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि जो दल यूपी में गरीब–गरीब करते थे, उन दलों को कभी भी गरीबों के सिर पर छत की नहीं अपने बंगलों की चिंता रही। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कभी दलितों का उत्थान नहीं किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दलितों के कल्याण की चिंता की और श्री मोदी ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सपने को साकार करने के लिए दलितों को भी आवास, बिजली कनेक्शन, गैस चूल्हे सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि केन्द्र में मोदी और यूपी में योगी सरकार ने जनता को भ्रष्टाचारमुक्त बेहतर सुशासन का एहसास कराया है। वहीं नक्सलवाद पर काफी हद तक नियंतग्रहुआ है। आतंकवाद पर हमारी सरकार कोई समझौता नहीं करेगी। इसे खत्म करना हमारा लक्ष्य है। केन्द्र व यूपी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वह इन योजनाओं की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाएं।

(पृ. 1 का शेष) . . . **शिया वक्फ बोर्ड**. . . स्कूल और कॉलेज के केयरटेकर और समितियों को निर्देश दिए हैं कि ध्वजारोहण और राष्ट्रगान जरूर गाया जाए। उसके बाद देश के लिए देशभक्ति दिखाते हुए 'भारत माता की जय' का नारा भी लगाया जाए। अगर ऐसा नहीं किया गया तो हम कानूनी कार्यवाही करेंगे।

भारत 15 अगस्त को अपना 72वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है, जिसके लिए देशभर में उत्साह की लहर है, और समूचे देश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **84 दिन में** . . . ने उत्तर प्रदेश के राज्यपाल पद की शपथ ग्रहण करने के बाद से ही कुलाधिपति के रूप में प्रदेश की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने का प्रयास किया है। पूर्व में विश्वविद्यालय में शैक्षिक कलेंडर घोषित न होना, समय से प्रवेश न होना, ससमय परीक्षाएं आयोजित एवं परिणाम घोषित न होना एवं समय से दीक्षांत समारोह सम्पन्न न होने से छात्र–छात्राओं को समय से उपाधियां भी प्राप्त नहीं होती थीं, जिससे छात्र–छात्राओं को प्रतियोगी परिक्षाओं में सम्मिलित होने में बाधा आती थी।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के कैलेंडर को सुव्यवस्थित करने एवं शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए प्रतिवर्ष 2 कुलपति सम्मेलन आयोजित कर उत्तर प्रदेश शासन के उच्चाधिकारियों, कुलपतियों एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों से चर्चा की तथा मार्गदर्शन किया। इसका ही परिणाम है कि अब विश्वविद्यालयों में समय से प्रवेश हो रहे हैं तथा परीक्षाएं आयोजित होकर परिणाम भी घोषित हो रहे हैं।

सभी विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह भी निश्चित समय सीमा में करने के लिए प्रस्तावित कैलेंडर घोषित किया गया है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **प्रमुख सचिव ग्रह**. . . सम्मान देते वक़्त भी मेरे बारे में प्रमुख सचिव (गृह) साहब को बताने से नहीं चूके।

इसके साथ ही सचिन ने लिखा कि शुक्रिया मेरे सभी सहयोगी साथियों का जो हमेशा मेरा उत्साह वर्धन करते रहते है। मेरा उद्देश्य आपके (ख़ाकी) खोए सम्मान को इसी जनता द्वारा वापस दिलाना है, यदि आप ऐसे ही सहयोग करते रहे तो मैं सचिन कौशिक आपसे वादा करता हूँ कि बहुत जल्द इसे सम्भव करने में सक्षम हो पाउँगा।

(पृ. 1 का शेष) . . . **गौहत्या रोक कानून**. . . क्यों न हो। भारत में करीब तीन से चार करोड़ लोग अवैध रूप से रह रहे हैं। ऐसे लोग कितनी बड़ी हानि देश की अंखडता, एकता और सम्प्रभुता के लिये कर सकते हैं जिसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता।

(पृ. 1 का शेष) . . . **एक साथ चुनाव** . . . विकास कार्य प्रभावित होते हैं। वहीं बार बार चुनाव कराने के कारण काफी पैसा भी खर्च होता है। पूरी प्रशासनिक प्रणाली इसी में व्यस्त हो जाती है। लिहाजा देश में एक साथ चुनाव कराना उचित होगा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि एक साथ चुनाव कराना केवल परिकल्पना नहीं है। इसे व्यवहारिक रूप से लागू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह दलील निराधार है कि एक साथ चुनाव देश के संघीय स्वरूप के खिलाफ है बल्कि एक साथ चुनाव कराने से देश का संघीय स्वरूप मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने का विरोध राजनीति से प्रेरित है। इससे अल्पकालिक असुविधा हो सकती है लेकिन दीर्घकालिक रूप से इससे देश को बहुत लाभ होगा। सरकारों को विकास पर ध्यान देने और तेजी से काम करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने विधि आयोग से इस बारे में सार्थक बहस प्रेरित करने और उसे तार्किक परिणति तक ले जाने की अपेक्षा भी व्यक्त की। गौरतलब है कि एक साथ चुनाव कराने की व्यवहारिकता पर विधि आयोग विचार कर रहा है और वह अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले राजनीतिक दलों के विचार जान रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक साथ चुनाव कराने पर बार– बार जोर देते रहे हैं।

(पृ. 1 का शेष) . . . **बसपा विधायक से** . . . इस मैसेज में उनसे एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई और रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी तक दी गई।

सकते में आए विधायक उमाशंकर ने जब अपना ई–मेल चेक किया तो उसमें ता39058442/हउंपस.बवउ से एक मेल आई थी। इस मेल आईडी में दाऊद इब्राहिम की तस्वीर लगी हुई थी।

ट्रू कॉलर ने पर भी दिखाया दाऊद

जानकारी के मुताबिक, विधायक उमाशंकर ने मोबाइल पर भेजे गए नंबर को जब ट्रू कॉलर पर चेक किया तो उस पर भी दाऊद इब्राहिम का नाम दिखा रहा था।

जिसके बाद विधायक ने पुलिस से संपर्क कर गोमती नगर कोतवाली में एफआईआर दर्ज करा दी। इंस्पेक्टर डीपी तिवारी ने बताया कि इस सम्बन्ध में आईटी एक्ट व रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया गया है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **देवरिया बालिका कांड**. . . कार्रवाइयों का उल्लेख है तो यह भी दर्शाया गया है कि मनाही के बाद पुलिस ने यहां कब और कितनी लड़कियां रखीं।

देवरिया में मां विंध्यवासिनी महिला प्रशिक्षण एवं समाज सेवा संस्थान के अंतर्गत संचालित बालगृह बालिका पर पांच अगस्त की रात हुई पुलिसिया कार्रवाई से पूरे देश–प्रदेश में हड़कंप मचा हुआ है। देह व्यापार से मामला जुड़ने से शासन–प्रशासन भी गंभीर है। प्रदेश सरकार ने सीबीआई को जांच सौंपते हुए एक एसआईटी भी गठित की है।

संजय सिंघल के नेतृत्व वाली तीन सदस्यीय एसआईटी ने शुक्रवार को जांच शुरू करते हुए घटना से जुड़े सभी रिकॉर्ड जब्त किए और कई अफसरों से पूछताछ की। शनिवार दोपहर को एडीजी लखनऊ रवाना हो गए थे, जबकि दो सदस्य एसपी विजिलेंस भारती सिंह और पीटीसी मेरठ की एसपी पूनम अभी घटना के अन्य पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं।

खबरों के मुताबिक रविवार को एडीजी क्राइम ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। इसमें उन्होंने कई ऐसे तथ्य दिए हैं, जो स्थानीय पुलिस के लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। इसी रिपोर्ट के आधार पर सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सरकार की ओर से पक्ष रखा जाएगा।

कोर्ट में अपने पक्ष को मजबूती से रखने के लिए शासन लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई कर सकता है। इससे पुलिस महकमे के लोग सहमे हुए हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में चूक भले ही बड़े स्तर पर हुई हो, लेकिन अंजाम तो मातहतों को ही भुगतना होगा।

(पृ. 1 का शेष) . . . **यूपी में कांग्रेस**. . . अभी 'नहीं उलझने' का संदेश दिया था और कहा था कि पूरा ध्यान 'साथ लड़कर' आम चुनाव जीतने पर होना चाहिए। खुर्शीद ने कहा कि यह 'रणनीतिक' लिहाज से सबसे बेहतर चीज थी जो कांग्रेस ने यह सुनिश्चित करने के लिए की कि भाजपा विपक्षी पार्टियों के बीच अंतर पैदा करने में कामयाब न हो जो महागठबंधन की दिशा में काम कर रही हैं।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दो बार प्रमुख रहे खुर्शीद ने कहा कि पार्टियों को राज्य में कांग्रेस को नहीं नकारना चाहिए और यह जरूरी है कि वह 2019 चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबले के लिए सपा और बसपा के साथ गठबंधन में रहे।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को बहुत कम सीट दिए जाने या महागठबंधन से बाहर रखे जाने की चर्चा पर खुर्शीद ने कहा, 'मुझे लगता है कि भविष्य के लिहाज से यह ठीक नहीं होगा।'

खुर्शीद ने कहा, 'मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूं कि हम विपरीत विचार से फायदा उठाने के लिए खड़े हुए हैं बल्कि मेरा मानना है कि कांग्रेस को बाहर रखने या उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को बौना दिखाना दूरदर्शिता नहीं होगा।'

उन्होंने कहा कि अगर इस तरह का कुछ होता है तो इससे भाजपा को फायदा होगा। खुर्शीद ने कहा कि यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिए कि कांग्रेस ने 2009 के लोकसभा चुनावों में राज्य में अच्छा प्रदर्शन किया था।

(पृ. 1 का शेष) . . . **यूपीनीट कौंसिलंग**. . . ऑल इंडिया कोटा की सीट से वंचित करके अपनों के लिए राह आसान कर दी। यूपी स्टेट फेस सेकंड काउंसलिंग में सीट चॉइस सीलिंग और लॉकिंग के लिए 10,11व 12अगस्त का समय निर्धारित किया गया था यह प्रक्रिया यूपी के मेडिकल कॉलेज में 25 सीटों के लिए शुरू की गई थी छात्रों ने 10 अगस्त से सीट लॉक करना शुरू कर दिया था

आज अंतिम दिन 12 अगस्त को शाम 5रू00 बजे सीट लॉक करने की समय सीमा समाप्त होने के बाद यूपीडीजे एम्ई की सीट पर ऑल इंडिया कोटे से अंतर होकर प्राप्त सीटों की सूचना और दोनों कोटे की सीट अलग अलग लॉक करने की सूचना प्रसारित की गई इसके अपलोड करने की बैक डेट में 11 अगस्त दिखाई दे रही है स्पष्ट है कि जिन बच्चों ने बिना सूचना के केवल स्टेट कोटे की सीट लॉक कर दी थी उन्हें जान–बूझकर ऑल इंडिया कोटे की सीट से वंचित कर दिया गया ूनचदममज. हवअ.पद साइट

जहां से बच्चे सीट लॉक कर रहे थे वहां पर कोई इंफॉर्मेशन इस बारे में नहीं डाली गई है ना ही कोई अतिरिक्त विकल्प की सूचना दी गई है जिससे बच्चे ऑल इंडिया कोटा व स्टेट कोटा की सीट लॉक करने की जानकारी पा सके।

यह सरासर यूपी की काउंसलिंग करने वालों द्वारा रचित एक भ्रष्टाचार और घोटाला है और दिल्ली सरकार द्वारा साफ–सुथरी परीक्षा और काउंसलिंग को घोटाला बताकर अपनों को लाभ पहुंचाने का गलत तरीका यूपी के अधिकारियों ने खोज लिया पहले भी यूपी के मेडिकल प्रवेश परीक्षा में घोटाले हुआ करते थे।

लेकिन योगी सरकार को चाहिए कि बच्चों को एक दिन का अवसर पुनः दिला कर बच्चों को न्याय दिलाया जाए जब स्टेट के मेडिकल कॉलेज से ली 15ः ऑल इंडिया कोटे की सीट ऑल इंडिया कोटे की काउंसलिंग में न भर पाने के कारण वापस यूपी स्टेट को पुनः दे दी गई तो एक ही मेडिकल कॉलेज की खाली सीटों की अलग लॉकिंग की चॉइस मांगना कहां तक सही है

चाहे वह जिस भी कोटे की हो एनईईटी काउंसलिंग 2018 के नियमों के अनुसार ऑल इंडिया कोटे से वापस प्राप्त सीटों की काउंसलिंग मोप आप राउंड मैं होनी चाहिए थी आखिर इतनी जल्दबाजी क्यों की गई कहीं ना कहीं बाबुओं और अधिकारियों के द्वारा सीटों में हुई है

(पृ. 1 का शेष) . . . **आरपीएफ में महिलाओं को**. . . के साथ बाहर भी सौंदर्यीकरण का काम होगा। गोयल ने कहा कि 2009–14 के 5 वर्षों में पिछली सरकार ने बिहार में मात्र 5.5 हजार करोड़ रपए रेलवे में निवेश किये थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा 2014–19 में लगभग 15 हजार करोड़ का निवेश रेलवे में होने वाला है।

सपा की बैठक में हुई साइकिल यात्रा को सफल बनाने पर चर्चा

जौनपुर। 2019 के लोकसभा चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी ने तैयारियाँ शुरू कर दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ चुनावी रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। इसके अलावा भाजपा को घेरने के लिए लगातार कई तरह के अभियान सपा चला रही है जिससे जनता के बीच अपनी पहुँच बनाई जा सके। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी की साईकिल यात्रा 17 अगस्त से 25 अगस्त तक निकलने जा रही है जिसे लेकर जौनपुर के समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पार्टी नेताओं ने बैठक की।

यूपी के जौनपुर में समाजवादी पार्टी की बैठक जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ आह्वान के साथ 17 अगस्त से 25 अगस्त तक निकलने वाले साइकिल यात्रा को सफल बनाने चर्चा की गई। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए गए। सपा कार्यकर्ताओं से बात करते हुए जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय और प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर लोक तंत्र बचाओ देश बचाओ आह्वान के साथ 17 अगस्त से 25 अगस्त तक साइकिल यात्रा निकाली जाएगी। साइकिल यात्रा सभी विधानसभाओं में चलेगी। इस दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार की नाकामियों को बताएगी। साइकिल यात्रा का शुभारंभ सदर विधानसभा में होगा और मल्हनी विधानसभा में इस साइकिल यात्रा का समापन होगा।

भाजपा पर बोला हमला :

सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह फेल साबित हो गई है। जनता से चुनाव में किए गए वादा को भूल चुकी है। इस दौरान देश और प्रदेश सरकार की गलत नीतियों, बढ़ते अपराध, गुंडागर्दी और महिला सुरक्षा को लेकर समाजवादी पार्टी द्वारा 20 अगस्त को तहसील मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करेगी। मल्हनी से सपा विधायक पारसनाथ यादव ने कहा कि केंद्र और प्रदेश में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। अपराधी बेखौफ होकर अपराध कर रहे हैं लेकिन सरकार द्वारा कुछ नहीं किया जा रहा है। इस बैठक में पूर्व मंत्री श्रीराम यादव, तूफानी सरोज, राजनरायण बिंद, गुलाब सरोज, डा. अवधनाथ पाल, जिला प्रवक्ता सुशील चंद्र दुबे, हिसामुद्दीन, राजेश यादव आदि उपस्थित रहे थे।

तीन उपनिरीक्षकों को पुलिस लाइन से थाने पर मिली तैनाती

लखनऊ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने तीन उपनिरीक्षकों को पुलिस लाइन से थानों पर तैनाती दे दी है। तीनों ही उपनिरीक्षकों के पिछले रिकार्ड को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। लखनऊ में पिछले दिनों अपराध को नियंत्रण करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बैठक की थी। जिसमें बाजारखाला, ठाकुरगंज और पीजीआई क्षेत्रों में तेज तर्रार दरोगाओं को तैनात करने की मांग उठी थी। इसी के मद्देनजर पुलिस लाइन में रहे उपनिरीक्षक नन्दू सिंह को पुलिस लाइन से थाना बाजारखाला, उपनिरीक्षक रमेश चन्द्र यादव को पुलिस लाइन से थाना ठाकुरगंज और

उपनिरीक्षक हरिश्चन्द्र को पुलिस लाइन से थाना पीजीआई में तैनात कर दिया गया है। त्मंक जेपे – पेंशन की पेशकश ठुकरा चंबल के इस वीर ने दिखाया था अग्रेंजो को श्तेंगाश इस तैनाती के आदेश शनिवार की देर रात दो बजे दिये गये। आज उपनिरीक्षकों को इसकी सूचना भेजी जायेगी और वह एसएसपी कार्यालय पर अपनी तैनाती का कागज लेकर थाने को रवाना हो जायेंगे। गौरतलब है कि बाजारखाला थाना क्षेत्र में कुछ माह से चोरों ने आतंक मचा दिया है। बाजारखाला के नादान महल मार्ग पर चूड़ी वाली गली में पंकज बैगिल स्टोर के मालिक व्यापारी पंकज गुप्ता की दुकान का शटर तोड़कर चोरों ने साढ़े तीन लाख रूपये चोरी कर लिये थे।

इंदु गुप्ता के नेतृत्व में भारतीय महिला हैंडबॉल टीम रवाना

लखनऊ। इंदु गुप्ता की अगुवाई में भारतीय महिला हैंडबॉल टीम 18वें एशियन गेम्स के लिए जकार्ता रवाना हो गयी। एशियाई खेलों में हैंडबॉल मुकाबले 14 अगस्त से शुरू हो जाएंगे। हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव आनन्देश्वर पाण्डेय ने रविवार को बताया कि टीम शनिवार को दिल्ली में आयोजित समारोह में हिस्सा लेने के बाद जकार्ता के लिए रवाना हो गई है। आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि भारतीय महिला टीम को एशियन गेम्स में पूल ए में रखा है। इस ग्रुप में भारत के साथ दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान, चीन और उत्तर कोरिया की टीमें हैं। एशियन गेम्स में महिला हैंडबॉल स्पर्धा के मुकाबले 14 अगस्त से शुरू होंगे जिसका फाइनल 30 अगस्त को खेला जाएगा। मुकाबला टीम इस प्रकार है : गोलकीपरः दीक्षा (हिमाचल प्रदेश), काजल (हरियाणा), नीना शैल (पश्चिम बंगाल), राइट बैकः रिम्पी (हरियाणा), निधि शर्मा (हिमाचल प्रदेश), मंजुला पाठक (रेलवे), सेंटर बैकः रितु (हरियाणा), सुषमा (रेलवे), लेफ्ट बैकः मनिंदर कौर (पंजाब), दीपा (चंडीगढ़), राइट विंगः संजीता (दिल्ली), प्रियंका (हिमाचल प्रदेश), पिवोटः इंदु गुप्ता (रेलवे), ज्योति शुक्ला (रेलवे), लेफ्ट विंगः बनिता शर्मा (पंजाब), खीला ठाकुर (एसएसबी)। मुख्य कोचः जगमिंदर सिंह (हरियाणा), कोचः शीतल रानी (मणिपुर), तकनीकी अधिकारीः मोहिंदर लाल (एनएसएनआईएस, पटियाला), जतिंदर देव (पंजाब), तेजराज सिंह (राजस्थान)।

जीपीओ पर जन सेवा पार्टी का प्रदर्शन

लखनऊ। एससीध्एसटी एक्ट के जन सेवा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को जीपीओ पर धरना प्रदशन किया। इस मौके पर अध्यक्ष प्रकाश चंद्र मिश्र ने कहा केंद्र व प्रदेश सरकार सरकार प्रदेश सरकार सरकार सर्वणों प्रदेश सरकार सर्वणों व अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस मुद्दे को लेकर देश व प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी थी अब वह उसे ठंडे बस्ते में डाल दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को राम मंदिर, जनसंख्या वृद्धि, भ्रष्टाचार, धारा 370 पर कानून बनाना चाहिए, लेकिन सरकार सर्वणों व अन्य पिछड़े वर्गों को अपमानित करने का काम कर रही है। इस मौके पर मनोज, विजय, रामू यादव, शिव भारद्वाज, राहुल सिंह व विशाल निगम मौजूद थे।

दहेज हत्या में आरोपित पति व ससुर गिरफ्तार

लखनऊ। कृष्णानगर पुलिस ने विवाहिता शिवानी की मौत के मामले में नामजद आरोपित पति राजू दास व उसके पिता रविन्द्र दास को बदालीखेड़ा से गिरफ्तार कर लिया। बताते चलें कि बहराइच निवासी संजय विास की बेटी शिवानी (24) की शादी करीब चार साल पूर्व आसाराम बाबू रोड अम्बेडकर पार्क के पीछे रहने वाले राजू दास से हुई थी। बीते 9 अगस्त को शिवानी का शव कमरे में लटका मिला था। पिता रविन्द्र ने बताया कि पति राजू दास व अन्य ससुरालवालों पर दहेज को लेकर मारने का आरोप लगाया था। पुलिस ने उक्त मामले में राजू, उसके पिता रविन्द्र व अन्य ससुरालवालों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली थी।

भाजपा सांसद ने लखनऊ पुलिस के खिलाफ खोला मोर्चा, रिश्वत लेने का लगाया आरोप

लखनऊ।मोहनलालगंज से भाजपा सांसद और भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कौशल किशोर ने लखनऊ पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा सांसद ने निगोहां थाना पुलिस पर पांच हजार रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। भाजपा सांसद ने ये बात ट्वीटर पर लिखकर लखनऊ पुलिस की हकीकत सबके बयां कर दी कि पुलिस आला अधिकारियों की तमाम चेतावनी और निर्देशों के बावजूद अपने तरीके से काम कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, भाजपा सांसद कौशल किशोर ने शनिवार को अपने ट्वीटर अकाउंट पर लिखा है कि " निगोहा थाना के रमपुरा में पीड़ित ने पुलिस बुलाई, बजाय मदद के पुलिस के ने 151 में चलान कर दिया, 5000 रूपये भी ले लिए और रूपये न मिलने पर अभी तक पीड़ित को थाने में बंद करके रखा है। क्या अब हर पीड़ित की मदद के लिए मुझे सोशल मीडिया का सहारा लेना पडेगा। SSP लखनऊ ध्यान दें।" "तत्काल पीड़ित के रूपये वापस कराएं और न्याय दिलाएं। ऐसे अफसरों को ठीक करें। मैं अपनी जनता के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं करूंगा।"

कौशल किशोर के ट्वीट के उत्तर में लखनऊ पुलिस जबाव देते हुए लिखा कि "दिनांक 09. 08.2018 को दोनों पक्षों की ओर से अभियोग पंजीकृत हुआ था। एक पक्ष की गिरफ्तारी 09.08.2018 को हुई, दूसरे पक्ष की गिरफ्तारी आज दिनांक 11.08.2018 को हुई है। अन्य तथ्यों की जांच हेतु @SP_RA_Lucknow को निर्देशित किया गया।

इसके जबाव में कौशल ने लिखा कि "जिसने 5000 रूपये लिए हैं उसके खिलाफ क्या हुआ, किसके संरक्षण में ये रिश्वतखोरी चल रही है। क्या पीड़ित के रूपये वापस होंगे।" भाजपा सांसद का ट्वीट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

खण्ड शिक्षा अधिकारी ने ग्यारह विद्यालयो का निरीक्षण किया

उन्नाव। प्राथमिक विद्यालयों की बेपटरी शिक्षण व्यवस्था का निरीक्षण करने निकले खण्ड शिक्षा अधिकारी ने ग्यारह विद्यालयो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्कूल बन्द व कई स्कूलो के शिक्षक नदारत मिले।

जिस पर अनुपस्थित टीचरों का एक दिन का वेतन काटने की संसुति की गई। विकास खण्ड औरास के खण्ड शिक्षा अधिकारी रामकिशुन यादव शनिवार को विद्यालयो में शिक्षकों की उपस्थिती व शिक्षण कार्य का निरीक्षण करने निकले। जहां वह सबसे पहले प्राथमिक विद्यालय रामपुर खंझड़ी प्रथम, द्वितीय व उच्च प्राथमिक विद्यालय 8 बजे जा धमके।

द्वितीय में तैनात सोहिनी यादव व विभा अनुपस्थित मिली। वही प्रथम में गैरुल हसन व सुनील कुमार अनुपस्थित मिले। इसके बाद उच्च प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण में प्रधान शिक्षक अबुजर अब्बास नकवी एक माह से चिकित्सीय अवकाश पर मिले। सहायक शिक्षक शशांक भूषण तिवारी व रविराय अनुपस्थित मिले। जबकि अनुराग बाजपेई साढ़े आठ बजे विद्यालय में उपस्थित हो गए। इन विद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था साफ सफाई दयनीय स्थिति में मिली बच्चो को फल दूध बितरण करने में भी सम्बेदंशीलता नही दिखाई गई।

इसके बाद वह प्राथमिक विद्यालय पट्टी खंझड़ी जा धमके। जहां 8 बजकर 30 मिनट तक विद्यालय का ताला ही नही खुला। इस विद्यालय में तैनात प्रधान शिक्षक राविन विश्वकर्मा व सहायक शिक्षक सुभाष अनुपस्थित मिले। प्राथमिक विद्यालय बहादुरपुर खंझड़ी में प्रधान शिक्षक मनोज साहू अनुपस्थित मिले। वहाँ पर सहायक शिक्षक रमेश राम विद्यालय में बच्चों से प्रार्थना करवा रहे थे।

इसी विद्यालय ने तैनात शिक्षामित्र धर्मेन्द्र कुमार यादव व दिलीप साहू भी अनुपस्थित मिले। खण्ड शिक्षा अधिकारी रामकिशुन यादव ने बताया कि अनुपस्थित अध्यापकों का 1 दिन के वेतन काटने की संसुति की गई है। निरीक्षण अभियान जारी रहेगा। लापरवाह शिक्षको को नही बक्सा जायेगा।

सोमनाथ चटर्जी के निधन पर सीएम योगी ने जताया शोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी के निधन पर शोक जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद एवं लोकसभा अध्यक्ष के तौर पर चटर्जी की सेवाओं को हमेशा याद किया जाएगा।

योगी आदित्यनाथयोगी ने शोक संदेश में कहा, "सोमनाथ चटर्जी ने अपने योगदान से भारतीय संसद की गौरवशाली परंपराओं को समृद्घ किया। उन्होंने हमेशा समाज के गरीब, कमजोर और उपेक्षित वर्गों के हितों को प्राथमिकता दी।"

प्रदेश को मिलेंगे 42 नए थाने, गृह विभाग ने दी मंजूरी

लखनऊ। गृह विभाग ने कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उत्तर प्रदेश को बड़ी सौगात दी है। विभाग ने यूपी में 42 नए थानों के प्रस्ताव पर मोहर लगा दी है। इन थानों की मंजूरी का प्रस्ताव लम्बे समय से गृह विभाग के पास लम्बित था। प्रस्ताव को बजट के लिए वित्त विभाग के पास भेज दिया गया है। इस प्रस्ताव के पास होने से अब यूपी में थानों (police stations) की संख्या बढ़कर 1570 हो जाएगी।

नोएडा में सबसे ज्यादा खुलेंगे नए थाने

प्रदेश में 42 नए थानों में सबसे ज्यादा थाने नोएडा और गाजियाबाद जिले में खोले जाएंगे। बता दें कि नोएडा जिले में सात थाने और गाजियाबाद जिले में पांच नए थाने खोले जाएंगे। राजधानी लखनऊ में दो नए थाने इसके साथ ही राजधानी लखनऊ में दो नए थानों को मंजूरी मिल गई है, जिनमें गोमतीनगर विस्तार और सुशांत गोल्फ सिटी के नाम से नया थाना खोला जाएगा।

आगरा के बाद वाराणसी में भी खुलेगा पर्यटन थाना : इतना ही नहीं, आगरा जिले के बाद अब वाराणसी जिले में भी एक और पर्यटन थाना खुलेगा, जो कि प्रदेश का दूसरा पर्यटन थाना होगा। इसके साथ–साथ लखीमपुर जिले में भी महिला थाना खोलने को मंजूरी मिल गई है।

मिशन 2019 : यूपी की 30 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस की नजर

लखनऊ। प्रदेश की करीब ढ़ाई दर्जन लोकसभा सीटों पर कांग्रेस की खास नजर है। गठबंधन की प्रतीक्षा किए बगैर पार्टी ने इन सीटों पर चुनाव लड़ने वाले नेताओं को तैयारी करने के लिए कह दिया है। ये लोकसभा सीटें वे हैं जिन पर पार्टी को नतीजे मिलने की पूरी उम्मीद है।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में बीते दिनों हुई पहली केन्द्रीय कार्यसमिति की बैठक में भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के वृहद गठबंधन पर सैद्धांतिक मोहर लग चुकी है। सियासी हलकों में चर्चा है कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सपा, बसपा और राष्ट्रीय लोकदल के गठबंधन में कांग्रेस भी शामिल रहेगी। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ प्रदेशों में विधानसभा चुनाव हैं। तीनों ही प्रदेशों में भाजपा की सरकार है।

ऐसे में यूपी से पहले इन प्रदेशों में विपक्षी दलों के गठबंधन की परीक्षा है। निगाहें इस पर हैं कि इन प्रदेशों में कांग्रेस बसपा या किसी और राजनीतिक दल से गठबंधन करने में सफल रहती है या नहीं। यूपी की बारी इसके बाद आएगी। पडरौना, कानपुर, बाराबंकी, धौरहरा, फैजाबाद समेत ढ़ाई दर्जन सीटों पर चुनावी नतीजे पक्ष में करने के लिए पार्टी ने सारा ध्यान केन्द्रित कर दिया है। पार्टी नेताओं को साफ कर दिया गया है कि गठबंधन पर दूसरे दल के नेताओं के भड़काने वाले बयानों पर भी कतई प्रतिक्रिया न दें।

संक्षिप्त समाचार

रोणाचार्य अवार्डी महासिंह राव का अभिनंदन

नयी दिल्ली। प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित गुरू हनुमान अखाड़े के मुख्य प्रशिक्षक महासिंह राव का हरियाणा के नया बास गनौर में अभिनंदन किया गया। इस अभिनंदन समारोह का आयोजन साई के मुख्य कोच महासिंह राव के 34 साल की सरकारी सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने पर किया गया। इस समारोह का संचालन 66 गांवों के प्रधान दिलबाग सिंह(बागे) पहलवान ने किया। इस अवसर पर गुरू हनुमान अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के पहलवान, समस्त ग्रामवासी तथा सोनीपत और गनौर के गणमान्य लोग उपस्थित थे। अर्जुन अवार्डी ओलंपियन राजीव तोमर, भारत केसरी सुजीत मान, राष्ट्रमंडल कुश्ती के रजत विजेता और भारत केसरी नवीन मोर, कोच सिल्लू पहलवान तथा अन्य पहलवानों ने महासिंह राव का अभिनंदन किया और कुश्ती के प्रति उनकी अभूतपूर्व सेवा को याद किया।

मैनचेस्टर : अचानक चलीं ताबड़तोड़ गोलियां, 10 घायल

लंदन। ब्रिटेन में मैनचेस्टर शहर के मॉस साइड इलाके में सड़क पर जश्न मना रहे लोगों पर रविवार को गोलीबारी कर दी गई, जिसमें दो बच्चों सहित 10 लोग घायल हो गए। घटना रविवार को मॉस साइड क्षेत्र में हुई जहां पास के पार्क में कैरीबियाई कार्निवल के बाद एक पार्टी आयोजित की जा रही थी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, 10 घायल लोगों में से एक की हालत बेहद गम्भीर है। जबकि नौ अन्य लोगों को हल्की चोटें आई हैं।

इस घटना के फुटेज सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए थे जिसमें दिख रहा है कि घबराहट और डरे हुए लोगों के एक समूह की पुलिस सहायता कर रही है।

पुलिस ने बताया कि लापरवाही से की गई गोलीबारी में भाग्य से इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई है जहां कार्निवल महोत्सव के लिए हजारों लोग मौजूद थे।

बीते दिनों राजधानी लंदन से गोलाबारी की कई घटनाएं समाने आई हैं। जिसकी वजह मासूल लोगों की भी जानें गईं हैं। सरकार इस विषय को

इंडोनेशिया : भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 436 हुई

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के लोमबोक द्वीप पर पांच अगस्त को आए रिक्टर पैमाने पर 7 की तीव्रता के भूकंप में मृतकों की संख्या बढ़कर 436 हो गई है। समाचार एजेंसी सिन्ह्आ की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय आपदा राहत एजेंसी(बीएनपीबी) के प्रवक्ता सुतोपो पुर्वो नुग्रोहो ने कहा 436 मृतकों में से 259 की पहचान हो चुकी है।

सुतोपो ने कहा, श्भूकंप आने के बाद अधिकतर पीड़ितों की मौत मलबे में दबने से हुई।श

भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके उत्तर लोमबोक में सबसे ज्यादा 374 लोग मारे गए। बीएनपीबी के मुताबिक, भूकंप से 1,353 लोग घायल हो गए और 370,000 विस्थापित हुए हैं।

गौरतलब है कि समाचार एजेंसी एफे की रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप के कारण भूस्खलन होने से पर्वतारोहियों के वापस निकलने के सभी रास्ते बंद हो गए थे हालांकि इन्हें बचाव दल की मदद से बाद में बचा लिया गया।

पर्वतारोहियों के समूह में स्पेन के पांच निवासी भी शामिल थे। आपदा प्रबंधन की राष्ट्रीय एजेंसी (बीएनपीबी) के प्रवक्ता सुतोपो पुरवो नुगरोहो ने बताया था कि बचाव कार्य के लिए दो हेलीकॉप्टरों को तैनात किया गया था।

माउंट रिनजानी एक सक्रिय ज्वालामुखी है और यह लोम्बोक के मुख्य पर्यटन स्थलों में से एक है। बीएनपीबी के अनुमान के मुताबिक, भूकंप से हजारों घर क्षतिग्रस्त और 6,200 से ज्यादा परिवार इससे प्रभावित हुए थे।

विराट कोहली ने एक सप्ताह में गंवाया नंबर एक स्थान

दुबई। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में निराशाजनक प्रदर्शन से आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान गंवा दिया और ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ के बाद दूसरे नंबर पर खिसक गए।

विराट ने पहले टेस्ट में 149 और 51 रन बनाए थे जिसकी बदौलत उन्होंने 31 अंक की लम्बी छलांग लगायी थी और 934 अंकों के साथ टेस्ट रैंकिंग में सर्वोच्च स्थान पर विराजमान हो गए थे लेकिन दूसरे टेस्ट में कुल 40 रन बनाने के कारण उन्हें 15 अंकों का नुकसान हुआ और वह अपना चोटी का स्थान गंवा बैठे। उनके अब 919 अंक हैं। एक साल का प्रतिबन्ध झेल रहे स्मिथ (929) वापस अपने शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय कप्तान ने लॉर्ड्स में 23 और 17 रन बनाए जबकि भारतीय टीम 107 और 130 रन ही बना सकी। भारत ने यह मैच पारी और 159 रन से गंवा दिया।

लॉर्ड्स टेस्ट में खराब प्रदर्शन का खामियाजा अन्य भारतीय खिलाड़ियों को भी भुगतना पड़ा। केवल ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अपवाद रहे जो दोनों पारियों में अपने संतोषजनक प्रदर्शन की बदौलत बल्लेबाजी रैंकिंग में 67वें से 57वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 29 और नाबाद 33 के स्कोर किए।

अश्विन आलराउंडर रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के वेर्नोन फिलेंडर को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। आलराउंडर हार्दिक पांड्या इंग्लैंड की पहली पारी में तीन विकेट लेने की बदौलत गेंदबाजी में 25 स्थान की छलांग लगाकर 74वें स्थान पर पहुंच गए।

इस बीच लॉर्ड्स में 9ध43 का जबरदस्त प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने रेटिंग में 900 का आंकड़ा पार कर लिया है। एंडरसन 900 की रेटिंग हासिल करने वाले इंग्लैंड के सातवें गेंदबाज और पिछले 28 वर्षों में इंग्लैंड के पहले गेंदबाज बन गए हैं।

एंडरसन के अब 903 रेटिंग अंक हो गए हैं। इससे पहले इंग्लैंड की तरफ से यह उपलब्धि सिडनी बार्नेस (932), जॉर्ज लोहमैन (931), टोनी लॉक (912), इयान बॉथम (911), डेरेक अंडरवुड (907) और एलेक बेडसर (903) को हासिल थी।

बॉथम यह आंकड़ा छूने वाले आखिरी इंग्लिश गेंदबाज थे और उन्होंने यह उपलब्धि अगस्त 1980 में हासिल की थी। एंडरसन और दूसरे स्थान के कैगिसो रबादा के बीच अब 21 अंकों का फासला है।

लॉर्ड्स में नाबाद 137 बनाने वाले और कुल चार विकेट लेने वाले क्रिस वोक्स ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और आलराउंडर रैंकिंग तीनों में सुधार किया है। वोक्स बल्लेबाजी में 34 स्थान की लम्बी छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 50वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

फोटो के चलते ट्रोल हुई अनुष्का ने पहली बार खोली अपनी जुबान

नई दिल्ली। इंडियन क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर एक फोटो के चलते काफी सुर्खियों में है। उस फोटो को लेकर काफी लोगों से उन्हें ट्रोल भी किया। हालांकि, अब अनुष्का शर्मा ने इस मामले पर पहली बार अपनी सफाई दी है। दरअसल पहले टेस्ट मैच के बाद बीसीसीआई ने टीम इंडिया की एक तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में टीम इंडिया के साथ अनुष्का शर्मा भी थीं। इस फोटो में अनुष्का टीम इंडिया के कप्तान और पति विराट कोहली के साथ सबसे आगे की लाइन में खड़ी नजर आ रही हैं।

पिंक बसों को चलाने के लिए महिला ड्राइवरों की होगी भर्ती

लखनऊ। महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए रोडवेज अब 50 पिंक महिला स्पेशल बसों का संचालन करेगा। इसके लिए परिवहन निगम 50 पिंक महिला स्पेशल बसों को खरीदने जा रहा है। बसों में महिला यात्री सुरक्षित रहे इस कारण इनको महिला ड्राइवरों द्वारा ही चलाया जायेगा।

इसके लिए निगम प्रशासन महिला चालकों की भर्ती संविदा पर करने जा रहा है। इस संबंध में निगम मुख्यालय से लखनऊ सहित प्रदेश भर के आठ शहरों में महिला चालकों की भर्ती के लिए आदेश एमडी ने जारी किए हैं।महिला एवं बाल कल्याण विभाग की ओर से 50 बसें खरीदने के लिए 22.5 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक पी गुरु प्रसाद ने बताया कि बसें खरीदने के पहले तैयारी को लेकर कई आदेश दिए गए हैं। सबसे पहले महिला चालकों की भर्ती होगी। इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं। महिला स्पेशल 50 बसों का संचालन प्रदेश के आठ शहरों से होगा। इनमें लखनऊ से आठ, गाजियाबाद से दस, बरेली से छह, गोरखपुर से चार, वाराणसी से चार, इलाहाबाद से चार, आगरा से दस व बरेली से छह बसें संचालित होंगी। इन क्षेत्रों में हाई स्कूल पास महिलाएं संविदा पर ड्राइवर पद के लिए आवेदन कर सकेंगी।

जेएनयू छात्र को जान से मारने की कोशिश

नई दिल्ली। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी के छात्र उमर खालिद को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के बाहर कथित तौर पर कुछ अज्ञात हमलावरों ने जान से मारने की कोशिश की है। गौरतलब है कि जेएनयू छात्र उमर खालिद उस वक्त चर्चा में आया था जब यूनिवर्सिटी कैंपस के अंदर देश के विरोध में भारत तेरे टुकड़े होंगे के नारे लगे थे। इस मामले में उमर खालिद के खिलाफ देश द्रोह का मुकदमा भी दर्ज हुआ था और उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। अज्ञात हमलावरों ने उमर खालिद पर गोली चलाई लेकिन निशाना चूक गया जिससे उमर खालिद की जान बाल बाल बच गई।

हमले के चश्मदीद के मुताबिक, एक कार्यक्रम में उमर खालिद कुछ लोगों के साथ शामिल हुए थे। हम चाय के स्टॉल पर खड़े थे ठीक उसी वक्त एक सफेद रंग का शर्ट पहना व्यक्ति ने खालिद को धक्का दिया और फिर उस पर गोली चला दी। धक्के की वजह से खालिद ने अपना संतुलन खो दिया जिसकी वजह से उन्हें गोली नहीं लगी। हमलोगों ने हमलावर को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह हवा में फायरिंग करता हुआ भाग गया। चश्मदीद के मुताबिक हमलावर मौके पर ही बंदूक छोड़कर फरार हुआ है।

वहीं खालिद पर हमले को लेकर दिल्ली पुलिस के डीसीपी मधुर वर्मा ने कहा, खालिद पर हमला हुआ है और इसकी पुष्टि हो चुकी है। कुछ लोगों ने पहले उमर खालिद को झप्पा मारा और फिर उसे धक्का देकर गोली चला दी। लोगों ने उसका पीछा किया लेकिन खालिद के मुताबिक हमलावर हवा में गोलियां चलाता हुआ वहां से फरार हो गया।

गजनी पर नियंत्रण बनाने के लिए तालिबान के हमले जारी

काबुल। अफगानिस्तान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर गजनी पर नियंत्रण बनाने के लिए तालिबान की आक्रामक कार्रवाई रविवार को लगातार तीसरे दिन जारी है। शहर की संचार व्यवस्था ठप है। सेना प्रमुख शरीफ याफ्तली ने राजधानी में आयोजित प्रेस सम्मेलन में कहा कि शहर के रणनीतिक क्षेत्र अभी भी सरकार के नियंत्रण में हैं।

उन्होंने हालांकि स्वीकार किया कि सरकारी सैनिक धीरे–धीरे आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि तालिबान लड़ाके नागरिकों के घरों और बाजारों में भी मौजूद हैं। उन्होंने खुलासा किया कि रविवार को तालिबान ठिकानों पर 20 हवाई हमले किए गए थे जिससे असंख्य लड़ाके मारे गए। हमले के पहले दिन करीब 150 तालिबानी लड़ाके और 10 सैनिक मारे गए।

इस बीच तालिबान ने एक बयान में दावा किया कि उन्होंने अधिकांश शहर पर नियंत्रण बना लिया है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने बयान में कहा कि शहर के अंतिम छोर से भी सरकारी सुरक्षाबलों को खदेड़ने के उद्देश्य से हमले किए जा रहे हैं।

किसी से 'खून का रिश्ता' बनाती तो कहीं 'ड्यूटी का फर्ज' निभाती उत्तर प्रदेश पुलिस

अब यूपी पुलिस के कदम लोगों की असल मित्र पुलिस बनने की तरफ बढ़ चुके हैं। पुलिसकर्मी कभी किसी का बेटा बन कर सामने आ रहे तो कभी पिता की भूमिका भी निभा रहे हैं। अगर किसी को खून की जरूरत होती है तो यूपी पुलिस वहां भी पहुंच जाती है। आइये हम भी आपको कुछ ऐसी ही झलकियाँ दिखाते हैं, जिसको देख कर आप भी कह उठेंगे कि, 'वाह यूपी पुलिस क्या कमाल कर रही है।'

अगर पहली तस्वीर पर ध्यान दें तो आप देखेंगे कि जब मुरादाबाद में एक कलयुगी माँ ने अपनी दुधमुहीं बच्ची को कूड़े के ढेर में मरने के लिए फेंक दिया तो एक सिपाही ने उसे अपनी गोद में उठाया। यूपी 100 की पीआरवी गाड़ी में तैनात सिपाही की नजर जब सड़क किनारे एक नवजात बच्ची पर पड़ी तो गाड़ी में तैनात सभी कर्मचारियों का दिल सहम सा गया।

उन्होंने तुरंत अपनी गाड़ी रोककर बच्ची को उठाया गले से लगा लिया और साफ सुथरे कपड़े से पोंछकर उसे तुरंत इलाज हेतु अस्पताल लेकर भागे। अस्पताल पहुंचकर उस मासूम बच्ची को तुरन्त इलाज हेतु डॉक्टर की देखरेख में भर्ती कराया।

अब दूसरी तस्वीर की बात करें तो लखनऊ में एक विकलांग महिला की मदद करते हुए कांस्टेबल आर पी सिंह नगर आये थे। सिपाही थाना पारा में नियुक्त हैं। जब उन्होंने बुध्देश्वर मंदिर जा रही एक विकलांग महिला को ऊबड़–खाबड़ सड़क पर परेशान देखा तो वो खुद उनकी विकलांग गाड़ी को चलाते हुए मन्दिर तक लेकर गये।

अब जरा तीसरी फोटो पर भी नजर डालते हैं, जिसमें मैनपुरी थाना कोतवाली करहल में तैनात सिपाही गौरव कुमार ब्लड देते हुए दिख रहे हैं। वह जब न्यायालय में ड्यूटी के लिए आये थे तो उन्हें सूचना मिली कि अरुण कुमार पुत्र नजर सिंह उम्र 35 वर्ष बर्न पेशेन्ट है, जिसे खून की आवश्यकता है। बिना देर किये सिपाही ब्लड सैफई में भर्ती मरीज की मदद करने पहुंच गये और एक यूनिट खून दान किया। इससे पहले भी गौरव कई बार रक्तदान कर चुके हैं।

अब जरा इस आखिरी तस्वीर को भी देख लीजिए जिसमें एक बुजुर्ग का बेटा बन कर इंस्पेक्टर ने मिसाल पेश की। ये तस्वीर बाबा वाराणसी के काशी विश्वनाथ धाम, गोदौलिया चौराहे पर लगी पुलिस ड्यूटी की है, जिसमें थाना सिगरा में पोस्टेड सब इंस्पेक्टर राज कुमार वर्मा बुजुर्गों का सहारा बने।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।

इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार "सत्य" माना जायेगा।

संपादक
crimereview2012@gmail.com
मोः 9454552222